कोटद्वार, शुक्रवार
17 अक्टूबर 2025
वर्ष: 47
अंक: 158 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

पांच साल की बच्ची का अपहरण कर दुष्कर्म का प्रयास

रुद्रपुर। पांच साल की एक बच्ची को अगवा कर दुष्कर्म करने के प्रयास का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि एक अज्ञात व्यक्ति बच्ची को झाड़ियों में ले गया। बच्ची के चीखने और रोने की आवाज सुनकर लोग मौके पर पहुंचे। इस पर आरोपी झाड़ियों का फायदा उठाकर फरार हो गया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार को मोदी मैदान से आगे ढिल्लो फार्म के पास झाड़ियों से लगभग पांच साल की बच्ची की रोने और चीखने की आवाज आ रही थी। इसके बाद पास में ही निर्माणाधीन भवन में काम कर रहे मजदूर और लोग मौके पर पहुंचे तो एक अज्ञात व्यक्ति बच्ची के साथ झाड़ियों में पाया गया। लोग उसे पकड़ पाते, उससे पहले ही आरोपी झाड़ियों का फायदा उठाकर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही ट्रांजिट कैंप थाना प्रभारी मोहन चंद्र पांडे टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। बच्ची कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं है। किसी को नहीं पता कि बच्ची कौन है और कहां की रहने वाली है। लोगों ने बच्ची को पुलिस के सुपुर्द कर दिया। एसपी ऋइम निहारिका तोमर ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला जा रहा है।

कुंभ मेला टीम और नगर निगम की संयुक्त टीम ने अवैध रेस्टोरेंट्स और ढाबे हटाए

हरिद्वार। दूधाधारी फ्लाईओवर के समीप हाईवे किनारे बने अवैध रेस्टोरेंट्स पर कुंभ प्रशासन की टीम व नगर निगम की टीम ने संयुक्त कार्रवाई की है। कुंभ मेला टीम और नगर निगम की संयुक्त टीम ने बृहस्पतिवार को दूधाधारी फ्लाईओवर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे बने अवैध रेस्टोरेंट्स और ढाबों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उन्हें हटाया।

प्रशासन की यह कार्रवाई अतिक्रमण मुक्त अभियान के तहत की गई, ताकि आगामी पर्वों और यात्राओं के दौरान यातायात में किसी प्रकार की बाधा न उत्पन्न हो। इस दौरान अतिक्रमण करने वालों में हड़कंप मचा रहा। कार्रवाई के दौरान टीम ने सड़क किनारे बने अस्थायी ढांचे, टीनशेड, बेंच और गैस सिलेंडर आदि को हटवाया।

अपर मेला अधिकारी दयानंद सरस्वती कहा कि कुंभ मेला भूमि, सार्वजनिक मार्गों और राजमार्ग के किनारे किसी भी प्रकार का अतिक्रमण या अवैध व्यवसाय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने स्थानीय लोगों और व्यवसायियों से अपील की है कि वे नियमानुसार ही अपनी दुकानें या प्रतिष्ठान संचालित करें और सड़क किनारे अनधिकृत रूप से कोई निर्माण न करें। फिर से अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जमीन दिलाने के नाम पर 15 लाख की धोखाधड़ी में केस

देहरादून। जमीन बेचने की डील कर दो शातिरों ने 15 लाख रुपये हड़प लिए गए। शिकायत पर नेहरू कॉलोनी थाना पुलिस ने दोनों मुख्य आरोपी इनके एक सहयोगी के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। एसओ नेहरू कॉलोनी संजीत कुमार ने बताया कि नरेंद्र रतूड़ी निवासी मधुर बिहार, देहरादून ने शिकायत दी। बताया कि सुमित रावत निवासी सुमेरु एंक्लेव, शिमला बाईपास रोड और वीरेंद्र सिंह भंडारी निवासी ग्रीन सिटी, आरकेडिया ग्रांट ने उन्हें बताया कि हसनपुर में उनके पास 16 बीघा जमीन है। जिसका सौदा उन्होंने विकास उनियाल से किया हुआ है। आरोपियों ने 1200 वर्ग गज जमीन 48 लाख रुपये में पीड़ति को बेचने की डील की। आरोप है कि मौके पर एक फर्जी व्यक्ति को विकास उनियाल बताकर बुलाया गया। जिसने कहा कि उसने जमीन सुमित रावत और वीरेंद्र भंडारी को बेच दी है। रजिस्ट्री अभी बाकी है। इन बातों पर विश्वास करके नरेंद्र रतूड़ी ने जमीन खरीदना स्वीकार किया और 19 दिसंबर 2023 को सुमित रावत के कहने पर वीरेंद्र सिंह भंडारी को चेक और आरटीजीएस के माध्यम से 15 लाख रुपये का भुगतान किया। डील का एग्रीमेंट भी किया। आरोपियों ने 15 लाख रुपये लेने के बाद झूठे आश्वासन दिए और न तो जमीन दिलाई और न ही रकम वापस की।

उत्तराखंड में कैबिनेट विस्तार जल्द, सुगबुगाहट हुई तेज

देहरादून : लंबे समय से चल रहा कैबिनेट विस्तार का इंतजार जल्द खत्म हो सकता है। इसकी सुगबुगाहट तेज हो गई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने बातचीत में इसकी पुष्टि की।

राज्य कैबिनेट में पांच पद खाली चल रहे हैं। इनमें चार पद काफी लंबे समय से खाली हैं जबकि एक पद पूर्व संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के इस्तीफे के बाद खाली हुआ था। भाजपा के विधायक इन पदों के जल्द भरने का इंतजार कर रहे हैं लेकिन कई बार की चर्चाओं के बावजूद अब तक नतीजा सामने नहीं आया।

पूर्व में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के शीर्ष नेतृत्व से इस पर बातचीत की चर्चाओं के बीच एक बार फिर सुगबुगाहट तेज हो गई है। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने सीएम धामी से इस संबंध में बातचीत की है। उन्होंने बताया कि सीएम 17 अक्तूबर को दिल्ली जा रहे हैं। शीर्ष नेतृत्व से हरी झंडी मिलने के बाद जल्द ही कैबिनेट का विस्तार किया जाएगा। अध्यक्ष भट्ट ने ये भी कहा कि उनका मकसद कैबिनेट विस्तार है लेकिन पहले निकाय चुनाव फिर पंचायत चुनाव, उप चुनाव, आपदा या अन्य किसी ऐसे कारण से घोषणा नहीं हो पाई है। कहा, जल्द ही ये इंतजार खत्म होने वाला है और कैबिनेट में पांच नए सदस्यों की एंट्री होगी।

हमारी आयात नीति हितों के आधार पर, रूस से तेल खरीद बंद करने के ट्रंप के दावों पर बोला विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली , अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस बयान के बाद कि भारत जल्द ही रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा, भारत सरकार ने इस पर आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है। गुरुवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा नीति पूरी तरह से राष्ट्रीय हितों और उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाई जाती है।

जयसवाल ने कहा कि भारत तेल और गैस का एक बड़ा आयातक देश है, और मौजूदा अस्थिर वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि भारत की आयात नीति इसी लक्ष्य के अनुरूप तैयार की जाती है। मंत्रालय के अनुसार, स्थिर ऊर्जा मूल्य और विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करना भारत की ऊर्जा रणनीति के मुख्य उद्देश्य हैं। इसके तहत भारत अपने ऊर्जा स्रोतों का विस्तार और विविधीकरण लगातार कर रहा है ताकि किसी एक बाजार पर निर्भरता कम हो सके।

दीपावली सिर्फ रोशनी का नहीं, आत्मनिर्भरता का पर्व : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिया वोकल फॉर लोकल का संदेश

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : खटीमा में 'स्वदेशी अपनाओ' अभियान के तहत पारंपरिक दियों और स्थानीय उत्पादों की खरीदारी कर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिया वोकल फॉर लोकल का संदेश।' मुख्यमंत्री ने गुरूवार को अपने गृह क्षेत्र खटीमा में 'स्वदेशी अपनाओ' अभियान के तहत पारंपरिक मिट्टी के दियों और स्थानीय रूप से निर्मित वस्तुओं की खरीदारी की।

मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों को दीपावली, धनतेरस और भैयादूज की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व सबके जीवन में खुशियां, समृद्धि और नई ऊर्जा लेकर आए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों से अपील की कि दीपावली के पर्व पर स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों और स्वदेशी उत्पाद निर्माताओं को प्रोत्साहित करें, जिससे न केवल आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को बल मिलेगा, बल्कि गांवों और कस्बों की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली केवल रोशनी, उत्साह और आनंद का पर्व नहीं है, बल्कि यह आत्मनिर्भरता, सम्मान और स्वाभिमान का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि जब हम अपने गांव-कस्बों में बने दीये या अन्य स्वदेशी वस्तुएं खरीदते हैं, तो हम किसी परिवार की आजीविका, उसकी मेहनत और उसकी उम्मीद को सम्मान देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों की खरीद से स्थानीय शिल्प, कुटीर उद्योग और महिला स्वयं सहायता समूहों को भी सीधा लाभ मिलता है। कहा कि उत्तराखण्ड के कारीगरों की परंपरा और कौशल अत्यंत समृद्ध है। मिट्टी के दीये, हस्तनिर्मित सजावटी सामग्री, जैविक उत्पाद और पहाड़ी खाद्य पदार्थ न केवल स्थानीय स्तर पर लोकप्रिय हैं, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर नागरिक को यह संकल्प लेना चाहिए कि इस दीपावली वह स्वदेशी उत्पादों से ही अपने घरों को रोशन करें, ताकि किसी अन्य परिवार के घर में भी खुशियों के दीप जल सकें। ह्नइस दीपावली हम सब मिलकर आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करें। हमारी छोटी-छोटी खरीदारी किसी परिवार के जीवन में नई उम्मीद की किरण बन सकती है ह्न इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, व्यापारीगण, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राहुल गांधी का प्रधानमंत्री मोदी पर हमला-कहा-ट्रंप से डरे हुए हैं पीएम

नई दिल्ली , अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयान के बाद भारत की राजनीति में हलचल मच गई है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। उनके इस बयान के बाद कांग्रेस और राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'झ्झ् पर पोस्ट करते हुए लिखा, "नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर देश के सम्मान का सौदा कर दिया। ट्रंप का कहना है कि उनकी नाराजगी और धमकियों से डरकर मोदी ने आश्वासन दिया कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। यह साफ है कि नरेंद्र मोदी कमजोर प्रधानमंत्री हैं और उनकी हरकतों ने देश की विदेश नीति को चौपट कर दिया है।

रूस हमेशा भारत का विशेष सहयोगी रहा है। खुद के 'झप्पी वाले रिश्तेझ् सुधारने के लिए देश के रिश्ते खराब मत कीजिए।" इसी मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ट्रंप से डरे हुए हैं।"

–राहुल गांधी ने इसके साथ ही प्रधानमंत्री से पाँच सवाल भी पूछे

1. क्या ट्रंप को यह अधिकार है कि वे भारत की तेल नीति पर निर्णय लें?
2. बार–बार अनदेखी के बावजूद क्या मोदी सरकार ट्रंप को बधाई संदेश भेजती रही?
3. वित्त मंत्री की अमेरिका यात्रा क्यों रद्द की गई?
4. प्रधानमंत्री शर्म–अल–शेख सम्मेलन में क्यों शामिल नहीं हुए?
5. ऑपरेशन सिंदूर पर विरोध क्यों नहीं जताया गया?

राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री को देश की विदेश नीति पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए और यह बताना चाहिए कि क्या भारत अब अमेरिका के दबाव में काम कर रहा है।

बाड़मेर में ट्रेलर–स्कॉर्पियो की भीषण टक्कर, चार युवकों की जिंदा जलकर मौत, एक गंभीर

बाड़मेर , राजस्थान के बाड़मेर जिले से सुबह दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। बालोतरा के पास ट्रेलर और स्कॉर्पियो की आमने–सामने भीषण भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि स्कॉर्पियो में आग लग गई और उसमें सवार चार युवकों की मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, गुड़ामालानी के डाबड़ गांव के पांच दोस्त स्कॉर्पियो में सवार होकर सिणधरी आए थे। रात को होटल में खाना खाने के बाद वे वापस लौट रहे थे। इसी दौरान बालोतराझ्झसिणधरी मेगा हाईवे पर उनकी स्कॉर्पियो की टक्कर सामने से आ रहे ट्रेलर से हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी में आग लग गई और दरवाजे जाम हो गए, जिससे चार युवक भीतर ही फंस गए। आग की लपटों में फंसे युवकों को निकालना संभव नहीं हो सका और चारों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं ट्रेलर चालक ने साहस दिखाते हुए स्कॉर्पियो के चालक को बाहर निकालने में सफलता पाई।

प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा

घटना की सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर सुशील कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक रमेश, अतिरिक्त जिला कलेक्टर भुवनेश्वर सिंह चौहान, डिप्टी निरज शर्मा, उपखंड अधिकारी समंदर सिंह भाटी, मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी वाकाराम चौधरी और परिवहन विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

एफएसएसएआई का नया आदेश जारी

किसी भी ब्रांड नाम में ओआरएस शब्द का इस्तेमाल पूरी तरह प्रतिबंधित

नई दिल्ली , भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खाद्य आयुक्तों को एक नया निर्देश जारी किया है, जिसमें स्पष्ट किया गया है कि किसी भी खाद्य उत्पाद (चाहे वह फ्रूट–बेस्ड, नॉन–कार्बोनेटेड या रेडी–टू–ड्रिंक बेवरेज हो) के नाम या ब्रांड में ओआरएस शब्द का प्रयोग अब पूरी तरह निषिद्ध है।

एफएसएसएआई ने जारी आदेश में कहा कि यह आदेश पहले के दो आदेशों (14 जुलाई 2022 और 2 फरवरी 2024) को सुपरसिड करता है, यानी अब वे आदेश रद्द माने जाएंगे।

पहले इन आदेशों के तहत कुछ कंपनियों को ब्रांड नाम में 'ओआरएस' शब्द का उपयोग करने की अनुमति दी गई थी, बशर्ते वे अपने लेबल पर यह चेतावनी दें कि यह उत्पाद डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुशंसित ओआरएस फॉर्मूला नहीं है। लेकिन अब एफएसएसएआई ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी खाद्य उत्पाद के नाम, ब्रांड या लेबल पर 'ओआरएस' शब्द का उपयोग (चाहे वह किसी प्रिफिक्स या सफिक्स के साथ ही क्यों न हो) खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 और उसके अंतर्गत बने नियमों का उल्लंघन है।

एफएसएसएआई ने कहा कि इस तरह के नाम या लेबल उपभोक्ताओं को भ्रामक, भेदक और गलत जानकारी देते हैं। ऐसे उत्पाद धारा 23 और 24, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006, उप–विनियमन 4(3) और 5(1), खाद्य सुरक्षा और मानक (लेबलिंग और प्रदर्शन) विनियम, 2020, उप–विनियमन 4(1) और 4(13), खाद्य सुरक्षा और मानक (विज्ञापन और दावे) विनियम 2018 धाराओं का उल्लंघन करते हैं।

इन प्रावधानों के उल्लंघन पर उत्पाद को मिसब्रांडेड और मिसलीडिंग माना जाएगा, जिसके लिए धारा 52 और 53 के तहत सजा और जुर्माना का प्रावधान है।

एफएसएसएआई ने यह भी स्पष्ट किया कि 14 जुलाई 2022 और 2 फरवरी 2024 के आदेश तत्काल प्रभाव से रद्द किए जाते हैं। साथ ही यह भी कहा गया कि 8 अप्रैल 2022 को जारी किया गया धारा 16(5) के तहत दिशानिर्देश ओआरएस के विकल्प उत्पाद के भ्रामक विज्ञापनों और मार्केटिंग संबंधी आदेश जारी रहेगा।

एफएसएसएआई ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के आयुक्तों से कहा है कि वे इस आदेश को कड़ाई से लागू करें, ताकि उपभोक्ताओं को भ्रामक विज्ञापनों और गलत उत्पाद दावों से बचाया जा सके।

पाकिस्तान में खून से सनी सड़क, एक ही झटके में उजड़ गया पूरा परिवार, 15 सदस्यों की दर्दनाक मौत

पेशावर ,पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। यहां स्वात मोटरवे पर एक सुरंग के पास एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसमें एक ही खानाबदोश परिवार के 15 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में 8 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

रेस्क्यू 1122 आपातकालीन सेवा के एक प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि यह दुर्घटना मलाकंद जिले में स्वात मोटरवे पर हुई। ट्रक में सवार सभी पीड़ित स्वात की बहरीन तहसील के जिब्राल इलाके के रहने वाले एक खानाबदोश परिवार के सदस्य थे।

यह परिवार मौसमी प्रवास के तहत एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर जा रहा था, तभी यह भयानक हादसा हो गया। मृतकों और घायलों में पुरुष, महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

हादसे की सूचना मिलते ही बचाव दल और स्थानीय पुलिस की टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं। ट्रक के नीचे दबे लोगों को निकालने के लिए तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया। सभी पीड़ितों को जिला मुख्यालय अस्पताल, बटखेला ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने 15 लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि 8 घायलों का इलाज आपातकालीन वार्ड में शुरू किया गया। घायलों में से चार की हालत बेहद नाजुक होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए स्वात के एक बड़े अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में खराब सड़कें, यातायात नियमों की अनदेखी और वाहनों में सुरक्षा मानकों की कमी के चलते घातक सड़क दुर्घटनाएं आम हैं। इसका प्रमाण हाल की घटनाओं से मिलता है, जहाँ इसी साल जुलाई महीने में इस्लामाबाद से लाहौर जा रही एक बस टायर फटने के कारण पंजाब प्रांत के चकवाल जिले में खाई में गिर गई थी, जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक घायल हो गए। इससे पहले अप्रैल में भी पंजाब प्रांत में हुए एक अन्य दर्दनाक सड़क हादसे में महिलाओं और बच्चों समेत 11 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। लगातार हो रहे ये भीषण हादसे पाकिस्तान की सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

दिवाली से पहले ही वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर के पार, इन इलाकों में हाल बेहद खराब

नोएडा ,दिल्ली–एनसीआर में दिवाली से पहले ही वायु प्रदूषण ने खतरनाक स्तर पार कर लिया है। गुरुवार सुबह आंकड़ों से पता चलता है कि गाजियाबाद के लोनी और नोएडा के कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता दिल्ली के अधिकांश क्षेत्रों से भी अधिक खराब स्थिति में पहुंच गई है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 के पार, यानी 'बहुत खराबझ् श्रेणी में दर्ज किया गया। गाजियाबाद में लोनी का एक्यूआई 339 दर्ज किया गया, जो पूरे क्षेत्र में सबसे अधिक है। वहीं, नोएडा के सेक्टर–125 में एक्यूआई 358 तक पहुंचा, जो चिंता का सबसे बड़ा कारण है।

गाजियाबाद के अन्य इलाके भी पीछे नहीं हैं– वसुंधरा और इंदिरापुरम दोनों का एक्यूआई 287 है और संजय नगर का एक्यूआई 260 रहा। नोएडा में हालात गंभीर बने हुए हैं।

दिल्ली : दो अवैध अफ्रीकी प्रवासी गिरफ्तार, निर्वासन की प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली , दक्षिण–पश्चिम जिला पुलिस की ऑपरेशन सेल ने किशनगढ़ क्षेत्र से दो अवैध अफ्रीकी प्रवासियों को हिरासत में लिया है। दोनों के पास वैध वीजा या यात्रा दस्तावेज नहीं थे। पुलिस ने विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय, दिल्ली की मदद से उनके निर्वासन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हिरासत में लिए गए व्यक्तियों की पहचान इमैनुएल किडो ओबुह (35 वर्ष) और हैरिसन उमुन्ना (43 वर्ष), दोनों अकुमाज़ी उमुओचा, डेल्टा स्टेट, नाइजीरिया के निवासी के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल (आईपीएस) ने बताया कि यह कार्रवाई जिले में अवैध प्रवास और अपराध पर नकेल कसने के लिए की गई थी। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि किशनगढ़ क्षेत्र में कुछ अवैध अफ्रीकी प्रवासी रह रहे हैं। इंस्पेक्टर गजेंद्र सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम, जिसमें एसआई अनिल, एसआई छगन लाल, एचसी सुंदर, एचसी दीपक, एचसी संदीप, कांस्टेबल राजेश, कांस्टेबल मोहित और कांस्टेबल फरहान शामिल थे, ने तुरंत कार्रवाई की। इस ऑपरेशन की देखरेख एसीपी (ऑपरेशंस) विजयपाल तोमर ने की। टीम ने संदिग्धों से पूछताछ की, जिन्होंने दावा किया कि वे पर्यटक या व्यावसायिक वीजा पर भारत आए थे। हालांकि, उन्होंने पासपोर्ट या वीजा खो देने की बात कही। नाइजीरिया उच्चायोग और आव्रजन विभाग से सत्यापन के बाद पता चला कि दोनों 2010 में भारत आए थे और कभी वापस नहीं लौटे। उनके मोबाइल फोन की जांच में पासपोर्ट और नाइजीरियाई पहचान पत्र की प्रतियां मिलीं। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे दिल्ली, गुरुग्राम और नोएडा में हाउसकीपिंग का काम करते थे। पुलिस ने सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद एफआरआरओ के सहयोग से निर्वासन प्रक्रिया शुरू की।

मुंबई में बांग्लादेशी 'गुरु मां गिरफ्तार

फर्जी दस्तावेजों पर 30 सालों से भारत में रह रही थी; कई मामले हैं दर्ज

मुंबई ,मुंबई पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में बांग्लादेशी ट्रांसजेंडर 'गुरु मांझ् के नाम से मशहूर ज्योति को गिरफ्तार किया है, जो पिछले 30 सालों से फर्जी दस्तावेजों के सहारे भारत में रह रही थी। यह मामला तब सामने आया जब पिछले कुछ महीनों से अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। मार्च 2025 में शिवाजी नगर पुलिस ने रफीक नगर से कुछ बांग्लादेशी ट्रांसजेंडरों को गिरफ्तार किया था। इस दौरान ज्योति को भी हिरासत में लिया गया था, लेकिन उस समय उसके पास आधार कार्ड, पैन कार्ड सहित सभी भारतीय दस्तावेज मौजूद थे, इसलिए उसे छोड़ दिया गया था।

इसके बाद पुलिस ने ज्योति की ओर से तैयार किए गए भारतीय जन्म प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेजों की जांच कराई, जिसमें वे सभी दस्तावेज फर्जी निकले। इसके बाद पुलिस ने बाबू अयान खान उर्फ ज्योति उर्फ गुरु मां को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ज्योति का असली नाम बाबू अयान खान है। वह 300 से अधिक फॉलोअर्स की 'गुरु मांझ् थी और मुंबई के रफीक नगर, गोवंडी व अन्य इलाकों में उसके 20 से ज्यादा घर बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, ज्योति के खिलाफ मुंबई के शिवाजी नगर, नारपोली, देवनार, ट्रॉम्बे और कुर्ला पुलिस स्टेशनों में भी कुछ अन्य मामले दर्ज हैं। फिलहाल, पुलिस ने उसे पासपोर्ट अधिनियम की धाराओं के साथ भारतीय न्याय संहिता की अन्य धाराओं के तहत गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस ने कहा कि यह गिरफ्तारी उन लोगों के लिए एक बड़ी चेतावनी है जो फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारत में अवैध रूप से निवास कर रहे हैं। इसके साथ के कितने लोग अभी रह रहे हैं? पुलिस इसके बारे में पता लगा रही है।

सांसी गैंग का ठग गिरफ्तार, 27 एटीएम कार्ड बरामद

रुड़की। हरिद्वार जिले में मंगलौर कोतवाली पुलिस ने सांसी गैंग के एक शातिर सदस्य को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के पास से 27 एटीएम कार्ड भी बरामद किए हैं।

बताया गया है कि पकड़ा गया आरोपी एटीएम के बाहर खड़ा होकर कम पढ़े लिखे लोगों की मदद करने के बहाने एटीएम कार्ड बदल देता था और पैसे निकाल कर फरार हो जाता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। दरअसल आगामी त्यौहारी सीजन को लेकर हरिद्वार एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल के निर्देश पर जनपद की थाना पुलिस बैंक, एटीम, ज्वैलर्स शॉप और अन्य की सघन चेकिंग अभियान चला रही है।

ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका

यूएस कोर्ट ने सरकारी कर्मचारियों की छंटनी पर लगाई रोक

वाशिंगटन ,अमेरिका से एक बड़ा और सनसनीखेज फैसला सामने आया है। सैन फ्रांसिस्को की संघीय जज सुसान इल्स्टन ने ट्रंप प्रशासन द्वारा सरकारी शटडाउन के दौरान हजारों संघीय कर्मचारियों की छंटनी पर अस्थायी रोक लगा दी है। यह आदेश उस मुकदमे के जवाब में आया है, जिसमें लेबर यूनियनों ने दावा किया था कि ये छंटनियां अवैध और कर्मचारियों के अधिकारों का उल्लंघन करती हैं। अदालत का यह फैसला ऐसे समय आया है जब व्हाइट हाउस ने शटडाउन के बीच कम से कम 10,000 कर्मचारियों की नौकरी खत्म करने की योजना की घोषणा की थी।

सुनवाई के दौरान जज इल्स्टन ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि व्हाइट हाउस का ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट और ऑफिस ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट शटडाउन का फायदा उठाकर कानूनों की अनदेखी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि सरकार मान रही है कि शटडाउन में कोई नियम लागू नहीं होता। व्हाइट हाउस के ह्नरूक्क प्रमुख रस वॉट ने एक इंटरव्यू में कहा, हम संभवतः 10,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी करेंगे। हम नौकरशाही को बंद करने में बहुत आक्रामक होना चाहते हैं। राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि अगर डेमोक्रेट्स ने नवंबर के अंत तक सरकार को फंड करने वाले प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया, तो वे बड़े पैमाने पर छंटनी करेंगे – खासकर उन कर्मचारियों को निशाना बनाकर जिन्हें डेमोक्रेट्स समर्थक माना जाता है।

सम्पादकीय

यातायात नियमों का मखौल

सड़कों पर यातायात नियमों की अवहेलना करना आने वाले दिनों में वाहन चालकों के लिए मुसीबत बन सकता है। असल में सड़कों पर खुलेआम यातायात नियमों का मखौल उड़ाया जाता है, खासतौर से लाल बत्ती का महत्व अभी तक उत्तराखंड में समझने का प्रयास नहीं किया जा रहा है। वाहन चालकों की ऐसी मनमानी को रोकने के लिए अब एक्शन की तैयारी की जा रही है और राज्य सरकार इस स्तर पर अपनी शक्ति दिखाने वाली है। खास तौर से ओवर स्पीड और रेड लाइट जंप करने वाले निशाने पर रहेंगे और इन नियमों का उल्लंघन करने वालों के लाइसेंस निरस्त किए जाएंगे। सड़क सुरक्षा को लेकर अब शासन ने जीरो टॉलरेंस की शैली पर काम करने का निर्णय लिया है जो कि एक सराहनीय कदम है। राजधानी देहरादून में ही जिस प्रकार से नियमों का जिस मखौल उड़ाया जाता है वह बेहद चिंताजनक है। लाल बत्ती पर लगे कैमरे जब तक सक्रिय होकर लोगों के घरों तक चालान नहीं पहुंचाएंगे तब तक यह मनमानी रुकने वाली नहीं है। जरूरी है कि राज्य सरकार सड़क सुरक्षा के मानकों में अपने अधिकारों का प्रयोग कर आवश्यक संशोधन करें। चालान की क्रिया में तेजी लाई जानी चाहिए ताकि लोगों को पता चले कि उनकी गलती छिपी नहीं है बल्कि उसका उन्हें दंड भुगतना पड़ेगा। अधिकांश चौराहों एवं लाल बत्ती पर पुलिस कर्मियों की निर्भरता कम करनी होगी और इन्हें ऑटो मोड और डिजिटल व्यवस्था के तहत लाना होगा। यहां यह बेहद जरूरी है की यात्रा पुलिस कर्मियों को यात्रा संचालन के लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित किया जाए क्योंकि अधिकांश चौराहों पर ज्यादा पुलिस के कर्मचारी सुचारू रूप से यात्रा संचालक में अक्षम पाए जाते हैं। वाहन चालक खुलेआम सड़कों पर यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं और उसका मुख्य कारण यह है कि ऐसे लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाती और ना ही कैमरे के आधार पर ऐसे लोगों के घर ई चालान भेजे जाते हैं। यातायात सुधार का काम धरातल पर उतारने की जरूरत है जिसमें निजी सरकारी एवं अन्य सभी प्रकार के वाहनों के खिलाफ एक तरीके से कार्रवाई करनी होगी। सरकारी वाहनों को छूट नहीं दी जा सकती और निश्चित तौर पर उल्लंघन करने पर ऐसे वहां भी सीज होने चाहिए। पुलिस तंत्र को भी अपनी वाहन चालकों को सड़कों पर संयम एवं गति नियंत्रित करने का फरमान जारी करना चाहिए। निश्चित तौर पर विभाग को पहले खुद से सुधार की शुरुआत करनी होगी।

वह गांव, जिसे समय ने भुला दिया

सतीश झा

एक प्रधानमंत्री ने कभी दावा किया था कि उसने सौ मिलियन गरीबों के बैंक खाते खुलवाए हैं। मैंने उन खातों की पासबुकें देखीं। पहली एंट्री–जीरो। अगली–कुछ नहीं। दस साल बाद भी वे पासबुकें नीतियों के कब्रिस्तान की निशानियां हैं। एक घर में मुझे चौथी कक्षा का बच्चा मिला। वह एक अंकों का जोड़ कर लेता था, लेकिन दो अंकों में अटक जाता। तीन अक्षरों से आगे उसकी स्पेलिंग टूट जाती। लेकिन उसकी आँखों में उम्मीद थी। वह उम्मीद जो किसी सूखे खेत में भी हरियाली का भरोसा देती है।ज् पर सच्चाई यह है कि ऐसे बच्चों के लिए उम्मीद का कोई ठोस कारण नहीं है। क्योंकि हमने ढांचा नहीं बदला, बस भाषण बदले हैं।

आज़ादी के अठहत्तर साल बाद भी भारत में बराबरी की मंज़िल मृगमरीचिका है। हालांकि रास्ता अभी भी है यदि हम उपेक्षा से आगे देखने की हिम्मत करें। मैं पटना से कुछ मील दूर एक गाँव की चौहद्दी पर खड़ा था। गंगा की धुंध अब भी यहां स्मृति की तरह ठहरी रहती है, मानो समय को छोड़ने में हिचकती हो। सुबह का आरंभ था। कौओं की कांव–कांव और हैंडपंपों की खटखट एक दूसरे में घुल रही थी। हैंडपंपों की आवाज़ें, कौओं की कांव–कांव और गलियों में जमा कीचड़, सब मिलकर एक परिचित दृश्य बना रहे थे।

मैंने उम्मीद के साथ उस गांव में कदम रखा, उस उम्मीद के साथ जो तमाम निराशाओं के बावजूद जीती रहती है। सोचा, आज़ादी के इतने साल बाद और इस राज्य पर उन्हीं समुदायों के लोगों के शासन में आने के तीन दशक बाद, अब तो कुछ बदला होगा। अब तो वो बच्चे जिनके बाप–दादा ने सड़कें बनाईं, नालियाँ साफ़ कीं और जिनकी मेहनत से यह देश खड़ा हुआ, उनमें कम–से–कम वही आज़ादी उनके हिस्से भी आई हुई होगी।

लेकिन सच्चाई किसी गुस्से के रूप में नहीं, बल्कि एक थकान–भरे समर्पण के रूप में सामने आई। लोगों की आंखों में एक तरह की शांति थी। मानों उन्होंने हार को मान लिया हो। बातचीत से अंदाज़ा लगा कि उनकी सालाना आय मुश्किल से 18 हजार रू से ज्यादा नहीं थी। मतलब दो सौ डॉलर यानी उतनी, जितनी किसी शहर में चार लोगों का एक डिनर खर्च हो जाता है।

गाँव का स्कूल ढहने की कगार पर था, पढ़ाई का स्तर सौ में एक अंक से ज़्यादा नहीं कहा जा सकता। आँगनवाड़ी का दरवाज़ा तभी खुलता जब ऊपर से निरीक्षण की सूचना मिलती। उस दिन बच्चों को पंक्ति में खड़ा कर दिया जाता, स्लेटें बाँट दी जातीं, एक गीत सिखाया जाता और शिक्षा पूरी हो जाती। बाकी दिन वहाँ सन्नाटा रहता।

गाँव के बाहर खुली नालियाँ, बदबू, मक्खियों का झुंड और गंदगी की मोटी परत, यही रोज़मर्रा की ज़िंदगी है। एक स्थानीय कार्यकर्ता ने चंदे से जो छोटी पक्की गली बनवाई थी, वही दिखाती थी कि अगर सरकारें काम छोड़ दें तो भी किसी एक व्यक्ति की कोशिश क्या कर सकती है।

यह भारत के दलित हैं। वे लोग जो देश की मेहनत की रीढ़ हैं, लेकिन जिन्हें पहचानने वाला कोई नहीं। उनके वोट से सत्ता बदलती है, लेकिन उनकी ज़िंदगी नहीं। जिनके हाथ दूसरों के घर बनाते हैं, पर अपने घर की छत अब भी टपकती है। उनकी इज्ज़त हर चुनाव के साथ खोखले वादों में दफ़न हो जाती है।

एक प्रधानमंत्री ने कभी दावा किया था कि उसने सौ मिलियन गरीबों के बैंक खाते खुलवाए हैं। मैंने उन खातों की पासबुकें देखीं। पहली एंट्री–जीरो। अगली–कुछ नहीं। दस साल बाद भी वे पासबुकें नीतियों के कब्रिस्तान की निशानियां हैं। एक घर में मुझे चौथी कक्षा का बच्चा मिला। चेहरे पर चमक और मुस्कान भरी हुई। वह एक अंकों का जोड़ कर लेता था, लेकिन दो अंकों में अटक जाता। तीन अक्षरों से आगे उसकी स्पेलिंग टूट जाती। लेकिन उसकी आँखों में उम्मीद थी। वह उम्मीद जो किसी सूखे खेत में भी हरियाली का भरोसा देती है। मैंने सोचा, अगर इसे सही माहौल, सही स्कूल और सही शिक्षक मिलें तो यह बच्चा कुछ भी बन सकता है–वैज्ञानिक, कवि, इंजीनियर, या उस भारत का नागरिक जिसे हमने कभी सपना कहा था।

पर सच्चाई यह है कि ऐसे बच्चों के लिए उम्मीद का कोई ठोस कारण नहीं है। क्योंकि हमने ढांचा नहीं बदला, बस भाषण बदले हैं।

यह 2025 का भारत है–जहां मंगलयान भी है, अरबपति भी हैं, लेकिन ऐसे गांव भी हैं जहाँ लोगों की सबसे बड़ी आकांक्षा है किसी तरह जी लेना। अठहत्तर साल पहले अंग्रेज़ों का झंडा नीचे हुआ था, लेकिन बेड़ियां बस और मज़बूत हो गईं। किसी देश की असली पहचान उसके महलों से नहीं, बल्कि उसके सबसे गरीब नागरिक की ज़िंदगी से होती है। हम लोकतंत्र हैं, लेकिन गरीब–अमीर की भयावह असमानता में जीते हैं। हम आज़ादी का वादा करते हैं, पर नियति सौंप देते हैं।

मैंने देखा है कि देश कैसे बदलते हैं–दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों ने भी गरीबी से शुरुआत की थी, पर इरादा पक्का था। उन्होंने समझ लिया था कि शिक्षा कोई दान नहीं बल्कि पूंजी है।

अगर भारत सच में ठान ले कि हर बच्चे को सच्ची शिक्षा मिले, तो एक पीढ़ी में देश बदल सकता है। मेरे हिसाब से अगर हर बच्चे पर सालाना हज़ार डॉलर खर्च किए जाएँ–दस साल लगातार–तो गरीबी और अज्ञान की जड़ें काटी जा सकती हैं।

यह पैसा किताबों या यूनिफ़ॉर्म पर नहीं, बल्कि ऐसे स्कूलों पर लगे जो चलें; ऐसे शिक्षकों पर जो पढ़ाएँ; ऐसे कमरों पर जो बच्चों को प्रेरित करें। इसके साथ पोषण, साफ़ पानी, स्वास्थ्य और इंटरनेट की पहुँच मिले–यानी गरिमा का पूरा ढाँचा। और बारह साल में वही बच्चा दस हज़ार डॉलर सालाना कमाने लायक बन जाए–अपने परिवार का नहीं, देश का भविष्य बदलने वाला नागरिक।

यह सपना असंभव नहीं–यह गणित है। कोरिया ने किया, चीन ने किया, तो भारत क्यों नहीं?

समस्या विचारों की नहीं, इच्छा की है।

हम जानते हैं क्या करना चाहिए, लेकिन करते नहीं।

अफ़सरशाही अपने ढर्रे पर अटकी है, नेता भाषणों में व्यस्त हैं, और अमीर तबका बस तमाशा देखता है।

विकास अब अनुभव नहीं, शो बन गया है–टीवी पर दिखने वाला इंडिया शाइनिंग का इवेंट।

हमारे नीति–निर्माता डेमोग्राफिक डिविडेंड की बात करते हैं, लेकिन बिना शिक्षा के युवा पूंजी नहीं, बोझ होते हैं। वो देरी से फटने वाला बम हैं।

हमारी व्यवस्था ने लापरवाही को सामान्य बना दिया है।

अगर दस साल का बच्चा पढ़ना नहीं जानता, तो किसी को फर्क नहीं पड़ता।

शिक्षक का स्कूल से गायब रहना आम बात है।

सरकारी स्कूल में टूटा शौचालय बस रिपोर्ट की फुटनोट बनता है।

लेकिन जब मूर्तियों, स्टेडियमों और सम्मेलनों की बात आती है तो अरबों रुपए निकल आते हैं।

हम दुनिया को ताक़त दिखाते हैं, पर अपने घर की अंधेरी गलियों में रोशनी नहीं कर पाते।

जब मैं लौटने लगा तो बच्चे पीछे–पीछे आए। उन्होंने पूछा, आप क्या करते हैं?

मैंने कहा, मैं लिखता हूँ।

एक बच्चा बोला, हमारे बारे में लिखिए।

मैंने वादा किया, लिखूँगा।

पर शब्दों से आगे कुछ करना होगा।

हमें एक नैतिक जागरण चाहिए। यह समझ कि भारत की कहानी अधूरी है जब तक इसके दलित बच्चे उपेक्षा में जीते रहेंगे। वे दान के पात्र नहीं, इस देश के बराबर हिस्सेदार हैं।

अगर मैं एक राष्ट्रीय मिशन बना सकता, तो उसका नाम होता–भारत नवजीवन अभियान। राज्य, निजी क्षेत्र और समाज–तीनों मिलकर यह ठानें कि हर गरीब बच्चे पर सालाना हज़ार डॉलर खर्च होंगे–सहायता नहीं, बीज के रूप में। सभी खर्च पारदर्शी और जवाबदेह हों। स्कूल माता–पिता के प्रति ज़िम्मेदार हों, नेता–अफसर के नहीं।

शिक्षक की इनाम व्यवस्था परिणाम पर हो, उपस्थिति पर नहीं। भोजन शिक्षा से जुड़ा हो, तकनीक पारदर्शिता से।

सौ ज़िलों में इसे शुरू किया जा सकता है। सीखते हुए, सुधारते हुए इसे पूरे देश में फैलाया जा सकता है।

दस साल में भारत की तस्वीर बदल जाएगी। जहाँ गांवों के बच्चे पढ़ेंगे, सोचेंगे और सपने देखेंगे–जाति या ग़रीबी से परे।

यह कोई कल्पना नहीं, सीधा हिसाब है–नैतिकता का गणित और करुणा की अर्थशास्त्र। इतिहास कभी माफ़ नहीं करता उन लोगों को जो कुछ कर सकते थे लेकिन करना नहीं चाहते थे। अंग्रेज़ चले गए, पर उपेक्षा का शासन अब अपने ही हाथों में है।

असली फांक अब अमीरझ्रगरीब या शहरझ्रगांव में नहीं, बल्कि सोचने वालों और सोच से वंचित लोगों के बीच है।

और फिर भी उम्मीद बाकी है। हम अपने को बदल सकते हैं–नारे दोहराकर नहीं, उनका अर्थ बदलकर।

गरीबों पर तरस खाकर नहीं, उन्हें सक्षम बनाकर।

जब मैं उस चौथी कक्षा के बच्चे के बारे में सोचता हूँ, तो मुझे उसके जैसे लाखों बच्चे याद आते हैं–जो बस एक मौके की प्रतीक्षा में हैं। हमारे पास क्या अधिकार है उन्हें उस मौके से वंचित करने का?

सबसे बड़ा पाप है भूल जाना। हम भूल गए हैं कि भारत का मतलब क्या है–ब्रांड नहीं, बाज़ार नहीं–एक नैतिक संकल्प।

आजादी अंत नहीं थी, शुरुआत थी। अब हमें वही अधूरी क्रांति पूरी करनी है–गरिमा, अवसर और शिक्षा की क्रांति।

ताकि पटना की झोंपड़ियों के बच्चे गुरुग्राम के स्कूलों के बच्चों के साथ बराबरी से खड़े हो सकें।

यह संभव है। मैंने उनकी आँखों में वह संभावना देखी है। भारत का भविष्य किसी बोर्डरूम या चुनावी मंच पर तय नहीं होगा। वह तय होगा उन जगहों पर जहाँ उम्मीद अब भी धीमे स्वर में बोलती है। अगर हम ध्यान से सुनें–नारों और शोर से परे–तो वह हमें बुला रही है।

क्योंकि उस गाव के बच्चे हमारे लोकतंत्र का बोझ नहीं हैं, बल्कि वे उसका अधूरा वादा हैं।

तालिबानी अब हमारे सखा है!

श्रुति व्यास

कुछ दिनों से भारत में एक ही ख़बर है! और वह एक तालिबानी के दौरे की है। बाक़ी सब कुछ, चाहे बिहार चुनाव हो, सीट बँटवारे की जोड़–बाकि, या ग़ाज़ा में युद्धविराम की खबर, सब साइडलाइन पर खिसक गए हैं। दिल्ली का फोकस केवल तालिबान पर केंद्रित है। और यह सिफ़ जिज्ञासा नहीं है। हाँ, उन्हें चलते, बोलते, कैमरे के सामने सहज होते देखना एक तमाशे जैसा है, लेकिन तालिबान प्रतिनिधिमंडल खुद भी जानता है कि यह ध्यान उनके काम आता है। भारत में यह उनका मौका है – दिखने, सुने जाने और शायद थोड़ा घूमने–फिरने का भी। इस पूरे सप्ताह के नज़ारे के केंद्र में हैं आमिर ख़ान मुत्ताक़ी, तालिबान के कार्यवाहक विदेश मंत्री। वही मुत्ताक़ी जिनकी यात्रा पर अब भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 1988 के तहत आंतकी के नाते पाबंदी है, वे अब दिल्ली के झूमरों के नीचे तस्वीरें खिंचवा रहे हैं। यह उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है, लेकिन 2021 में पद संभालने के बाद उनकी दसवीं विदेश यात्रा। उनमें से पाँच क़तर, तीन पाकिस्तान, और दो–दो चीन, ईरान और तुर्की के लिए थीं। अब दिल्ली भी उस सूची में शामिल हो गया है। और दिल्ली से उनका जुड़ना प्रतीकात्मक से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण है।10 अक्टूबर को मुत्ताक़ी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाक़ात की, भारत द्वारा अफ़ग़ानिस्तान भेजी जा रही एम्बुलेंसों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं, और काबुल में भारतीय दूतावास फिर से खोलने पर चर्चा की जो चार साल पहले तालिबान की सत्ता वापसी के बाद बंद कर दिया गया था। मुत्ताक़ी के मुँह से अच्छे दोस्त और जयशंकर के बयान में करीबी सहयोग जैसे शब्द दर्शाते हैं कि भारत की नीति में यह बदलाव संयोग नहीं, सुविचारित है। चार साल पहले तक यह सब असंभव लगता था। 2021 में जब अमेरिका ने अफ़ग़ानिस्तान से वापसी की समयसीमा तय की, तो दिल्ली स्तब्ध थी।15 अगस्त को काबुल पर तालिबान के कब्ज़े ने भारत को रातों–रात दूतावास और वाणिज्य दूतावास बंद करने पर मजबूर कर दिया। हज़ारों अफ़ग़ान छात्र, व्यापारी और मरीज़ अचानक फँस गए। भारत ने एक झटके में लगभग सभी वीज़ा रद्द कर दिए। वह क्लिक आतंक और पलायन दोनों का प्रतीक था। लेकिन कूटनीति, जैसे शक्ति, खालीपन को बर्दाश्त नहीं करती। सिफ़ एक साल में भारत ने फिर से संतुलन साधना शुरू किया। जून 2022 में एक तकनीकी दल चुपचाप काबुल भेजा गया ताकि मानवीय सहायता की निगरानी कर सके। 2023 के अंत तक तालिबान अधिकारियों को भारतीय वीज़ा मिलने लगे, दिल्ली में उनके प्रतिनिधि नियुक्त हुए और मुंबई व हैदराबाद में वाणिज्य दूतावास खुले। जो संपर्क मानवीय कहलाया था, वह धीरे–धीरे औपचारिक संवाद में बदल गया। यह परोपकार नहीं, रणनीतिक समायोजन था – यह स्वीकारोक्ति कि तालिबान कोई गुजरती लहर नहीं बल्कि इस क्षेत्र की नई और स्थायी वास्तविकता है। और अगर दिल्ली पीछे रहती, तो चीन, ईरान और रूस अफ़ग़ानिस्तान के अगले अध्याय को उसके बिना लिख देते। यहाँ एक गहरी विडंबना भी है। एक हिंदू राष्ट्रवादी सरकार, जो अपने भीतर सभ्यतागत विमर्श और इस्लाम के प्रति अविश्वास पर टिकी है, अब अपने पड़ोस में एक इस्लामी थियोक्रेसी के साथ बैठी है। जिस नेतृत्व की वैचारिक पहचान भीतर विरोध पर टिकी है, उसके लिए तालिबान का दिल्ली में स्वागत एक साथ विरोधाभास भी है और व्यावहारिकता भी। क्योंकि विदेश नीति शायद ही कभी घरेलू राजनीति की परछाई होती है। भारत इस समय जिस नीति का अभ्यास कर रहा है, वह अंतरराष्ट्रीय संबंधों की क्लासिक यथार्थवादी धारा है – रियलिज़्म – जिसे हांस मॉर्गेन्थाउ और केनेथ वाल्ट्ज ने परिभाषित किया थाः राष्ट्र आदर्शों से नहीं, हितों से चलते हैं। इस दुनिया में न स्थायी दोस्त होते हैं, न स्थायी दुश्मन – सिफ़ स्थायी बेचैनियाँ। भले ही भाजपा की सांस्कृतिक राजनीति धार्मिक द्वंद्व पर चलती है, उसकी विदेश नीति इन सीमाओं से काफ़ी आगे निकल चुकी है। यह ऑफ़ेंसिव रियलिज़्म है – सिद्धांतों से ऊपर शक्ति, निष्ठा से ऊपर लाभ। तालिबान के साथ संवाद और अफ़ग़ानिस्तान में अमेरिकी सैन्य वापसी के ख़िलाफ़ भारत का अप्रत्यक्ष रुख़, उसे रूस, ईरान और चीन द्वारा परिभाषित महाद्वीपीय सहमति के निकट ला रहा है – वह क्षेत्रीय यथार्थवाद जो अमेरिका–उत्तर युग का चेहरा बन रहा है। इसकी तुलना अतीत से करें। 2001 के बाद दो दशकों तक भारत की अफ़ग़ान नीति लगभग पूरी तरह वॉशिंगटन के अनुरूप रही। तालिबान को पाकिस्तान की परियोजना माना गया – आईएसआई की उपज, वैचारिक रूप से कट्टर, और दिल्ली के लिए यादगार एक प्रतीक – आईसी–814 अपहरण और भारतीय इंजीनियरों की हत्या। वह संरेखण स्वाभाविक था, आवश्यक भी। पर भू–राजनीति भी स्मृति की तरह क्षणिक होती है। आज वही शक्तियाँ जो कभी तालिबान से लड़ीं, उन्हें अपने उपयोग के योग्य पा रही हैं। मॉस्को में पिछले सप्ताह मुत्ताक़ी ने चेताया कि आईएसआईएस–ख़ुरासान का दायरा बढ़ रहा है – एक तालिबान मंत्री अब आतंकवाद–रोधी भाषा बोल रहा है। यह एक असाधारण उलटफेर है, पर अनिवार्य भी। यह पाखंड नहीं, विकास है – वह कंस्ट्रक्टिविस्ट यथार्थ, जिसमें राज्य नैतिकता से नहीं, परिस्थितियों से ढलते हैं। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अब उसी शासन से वार्ता कर रहा है जिसे कभी उसने कोसा था – क्योंकि दोनों के नीचे की ज़मीन बदल चुकी है। अफ़ग़ानिस्तान अब अमेरिका के नैतिक युद्धों का मंच नहीं; यह यूरेशियाई यथार्थवाद की सीमा रेखा है। आईएसआईएस–के के हमलों ने अफ़ग़ानिस्तान से ईरान और रूस तक नई दरारें खींच दी हैं। यहाँ तक कि चीन भी शिनजियांग में इसके फैलाव से चिंतित है। इस परिदृश्य में तालिबान – निर्दयी पर स्थिर – अराजकता से बेहतर विकल्प बन गए हैं, एक बफ़र जो अराजकता को थामे हुए है। रूस, ईरान और मध्य एशियाई देशों के लिए तालिबान से संवाद सुरक्षा आवश्यकता बन चुका है।

ग्लैमर से पहले आस्था : कृति शेट्टी का तिरुपति में आध्यात्मिक पड़ाव, बालाजी के किए दर्शन

कृति शेट्टी को हाल ही में तिरुपति बालाजी मंदिर में दर्शन करते हुए देखा गया, जहाँ उन्होंने शांति और भक्ति से परिपूर्ण माहौल में पूजा–अर्चना की। जिसने प्रशंसकों का ध्यान खींचा। पारंपरिक पोशाक में और सादगी भरे अंदाज़ में नज़र आईं कृति ने अपने व्यस्त ग्लैमर जीवन से थोड़ा समय निकालकर दक्षिण भारत के सबसे पूजनीय मंदिरों में से एक में आशीर्वाद प्राप्त किया। अपनी बढ़ती प्रसिद्धि के बावजूद ज़मीन से जुड़ी रहने वाली बॉलीवुड की अगली सुपर स्टार का यह शांतिपूर्ण मंदिर–दर्शन यात्रा ने सोशल मीडिया पर उनके प्रशंसकों के दिलों को छू गया। अभिनेत्री की इस यात्रा की तस्वीरें जल्द ही सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो गईं, जहाँ कई लोगों ने उनकी सादगी और श्रद्धा की सराहना की। तिरुपति लंबे समय से अनेक कलाकारों के लिए एक पवित्र पड़ाव रहा है – विशेषकर तब, जब वे किसी बड़े व्यक्तिगत या पेशेवर मोड़ की ओर बढ़ते हैं। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, कृति ने बिना किसी दिखावे के पूजा की और मंदिर में कुछ पल शांत वातावरण में बिताए, जिसके बाद वे अपने व्यस्त शेड्यूल की ओर लौट गईं। कार्य के मोर्चे पर, कृति शेट्टी भारतीय फ़िल्म जगत में अपनी मजबूत पहचान बनाती जा रही हैं।

गोडे गोडे चा 2 का बिल्लो जी इस सीज़न का प्यार भरा एंथम है, जो आपको जरूर सुनना चाहिए

प्यार को मिला देसी ढोल का ट्विस्ट। गोडे गोडे चा 2 का अगला म्यूज़िकल जेम च्बिल्लो जीज् अब रिलीज़ हो चुका है, जिसे गाया है दमदार जोड़ी एमी विर्क और गुरजैज ने। कप्तान के मज़ेदार बोल और एन वी के जोश से भरपूर भांगड़ा बीट्स के साथ, यह गाना दिखाता है कि अपने प्यार को रिझाने के लिए स्टाइल, सच्चाई और जबरदस्त डांस के साथ लड़के किस हद तक जा सकते हैं। यह गाना शरारती भी है, रंगीन भी और सबसे खास बात, यह इस सीज़न का सबसे बड़ा लव एंथम बनने जा रहा है। गाने के बारे में बात करते हुए, एमी विर्क ने कहा, बिल्लो जी एक बहुत ही खूबसूरत वाइब है। यह खेल–उल्लास, रोमांटिक और फुल–ऑन भांगड़ा एनर्जी वाला ट्रैक है, जो इसे सुनने वाले को अपने पैरों पर थिरकने पर मजबूर कर देता है। यह प्यार का पंजाबी अंदाज़ में जश्न है और मुझे पूरा यकीन है कि यह हर लड़के का फेवरेट एंथम बन जाएगा। गाने पर अपने उत्साह व्यक्त करते हुए, विजय कुमार अरोड़ा ने कहा, बिल्लो जी के ज़रिए हमने उस चुलबुले व बड़े पैमाने के पंजाबी रोमांस को कैप्चर करने की कोशिश की है, जहाँ हर इमोशन ज़ोरदार है और हर जेस्चर ग्रैंड। यह सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि फिल्म का वह पल है,

रोहित शर्मा के निशाने पर शाहिद अफरीदी का रिकॉर्ड, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रच सकते हैं इतिहास

नई दिल्ली , पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और अपने जमाने के विस्फोटक बल्लेबाज शाहिद अफरीदी, जो दुनिया भर में अपनी आक्रमक बल्लेबाजी के लिए मशहूर रहे, अब भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के निशाने पर हैं। आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित के पास इतिहास रचने का सुनहरा मौका है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 से 25 अक्टूबर तक होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज में रोहित सलामी बल्लेबाज के रूप में मैदान पर उतरेंगे। यदि वे इस सीरीज में 8 छक्के लगा देते हैं, तो वे शाहिद अफरीदी के लंबे समय से कायम रिकॉर्ड को तोड़कर वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। रोहित शर्मा ने अपने वनडे करियर में 273 मैचों की

265 पारियों में 11,168 रन बनाए हैं, जिसमें 264 रनों की शानदार पारी भी शामिल है। उनके नाम 32 शतक और 58 अर्धशतक हैं। रोहित ने 1,045 चौके और 344 छक्के जड़े हैं, जिसके साथ वे वर्तमान में वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में शाहिद अफरीदी के बाद दूसरे स्थान पर हैं। रोहित ने अपने करियर में तीन दोहरे शतक भी बनाए हैं, जो अपने आप में एक विश्व रिकॉर्ड है। वहीं, पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी ने 398 वनडे मैचों की 369 पारियों में 8,064 रन बनाए। उनके खाते में 6 शतक, 39 अर्धशतक, 730 चौके और 351 छक्के दर्ज हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित का बल्ला चला तो पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर का यह रिकॉर्ड ध्वस्त हो सकता है। भारतीय फैंस भी चाहेंगे कि रोहित इस दौरे पर पाकिस्तानी क्रिकेटर का रिकॉर्ड ध्वस्त कर शीर्ष पर पहुंचे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह वनडे सीरीज 19 अक्टूबर को पर्थ स्टेडियम में पहले मैच के साथ शुरू होगी। इसके बाद 23 अक्टूबर को एडिलेड ओवल में दूसरा और 25 अक्टूबर को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में तीसरा और अंतिम वनडे खेला जाएगा।

इस बार भारतीय टीम नए वनडे कप्तान शुभमन गिल के युवा नेतृत्व में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उतरेगी।

विद्या बालन ने बताया आकर्षण के नियम की वजह से उन्हें मिली थी परिणीता

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन ने सोमवार को बताया कि उन्हें अपनी पहली फिल्म च्परिणीताज् कैसे मिली थी। उन्होंने साथ में यह भी बताया कि फिल्म के निर्देशक प्रदीप सरकार के साथ काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा। विद्या ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह सीखो ना नैनो की भाषा पिया गाने पर एक्टिंग करती दिखाई दे रही हैं। इस गाने के बारे में बात करते हुए विद्या ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार यह गाना सुना, तो उन्हें तुरंत यह पसंद आ गया और वह प्रदीप सरकार जैसे निर्देशक के साथ काम करने के सपने देखने लगी थीं। विद्या ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, मुझे गानों पर लिप सिंक करना बहुत पसंद है और यह गाना मुझे बहुत

पसंद है। जब मैंने इसे पहली बार देखा, तो मैं प्रसून जोशी के गीत से उतनी ही प्रभावित हुई जितनी कि इसके फिल्मांकन से। इसी दौरान मेरे मन में इस कुशल कहानीकार प्रदीप सरकार के साथ काम करने की इच्छा भी जागी।

पर्थ में उतरी टीम इंडिया, फैंस बोले– रोहित–कोहली की जोड़ी दिलाएगी वनडे सीरीज में जीत

नई दिल्ली , भारतीय क्रिकेट टीम 19 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए पर्थ पहुंच चुकी है। टीम में पूर्व कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल, सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी, तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ सहयोगी स्टाफ के कुछ सदस्य शामिल हैं।

यह वनडे सीरीज कई मायनों में खास है। सीरीज के बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज भी खेली जाएगी, लेकिन रोहित शर्मा और विराट कोहली, जिन्होंने टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, इसमें हिस्सा नहीं लेंगे। ऐसे में, वनडे सीरीज दोनों दिग्गजों के प्रशंसकों के लिए खास अहमियत रखती है। रोहित और कोहली की बल्लेबाजी पर दुनियाभर के क्रिकेट प्रेमियों की नजरें टिकी हैं।

प्यूटी रिको के खिलाफ अर्जेंटीना की शानदार जीत, नेमार को पछाड़कर मेसी ने रचा इतिहास

फोर्ट लॉडरडेल , अर्जेंटीना ने चेज स्टेडियम में प्यूटी रिको के खिलाफ 6–0 से जीत दर्ज की। मुकाबले के दौरान स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने दो गोल में असिस्ट किया। इसी के साथ लियोनेल मेसी पुरुष अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक असिस्ट करने वाले खिलाड़ी बन गए। अद्भुत कौशल और रिकॉर्ड तोड़ उपलब्धियों के लिए मशहूर मेसी ने अब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 60 असिस्ट किए हैं। प्यूटी रिको के खिलाफ दो असिस्ट के साथ उन्होंने नेमार और लैंडन डोनोवन को पछाड़ दिया। इन दोनों ही खिलाड़ियों ने अपने करियर में 58–58 असिस्ट किए हैं। अब मेसी अपने पेशेवर

करियर में कुल 400 असिस्ट से सिर्फ तीन ही कदम दूर हैं।

प्यूटी रिको के विरुद्ध मुकाबले में अर्जेंटीना ने तुरंत ही गेंद पर नियंत्रण कर लिया था। मुकाबले के 13वें मिनट मोंटील ने मेसी को क्रॉस दिया, जिन्होंने क्रॉसबार पर शॉट मारा। निकोलस गोंजालेज ने रिबाउंड पर वॉली से गेंद को गोल की ओर पहुंचाया और मैक एलिस्टर ने हेडर से गोल करके मैच का खाता खोला।

मैच के 23वें मिनट मेसी ने मोंटील को एक बेहतरीन पास दिया, जिन्होंने इसे गोल में तब्दील करते हुए अर्जेंटीना के स्कोर को 2–0 पहुंचा दिया।

इसके बाद अर्जेंटीना के खिलाड़ी लगातार प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ गोल की तलाश में लगे रहे। मैक एलिस्टर ने मुकाबले के 36वें मिनट एक और गोल किया।

संक्षिप्त समाचार

आत्मनिर्भर भारत के पथ पर चलने के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ देवप्रयाग की ओर से दीपावली मिलन कार्यक्रम का आयोजन कीर्तिनगर खंड के जाखणी में किया गया।

इस अवसर पर स्वयं सेवकों एवं नागरिकों ने संघ शताब्दी वर्ष के प्रतीक स्वरूप 1001 दीप प्रज्वलित कर भारत माता के चित्र के समक्ष अर्पित किए व हर्षोल्लास के साथ भेलू खेला गया व पटाखे जलाए गए तथा ढोल-दमाऊं की थाप पर पारंपरिक नृत्य करते हुए उत्सव का आनंद लिया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रांत शारीरिक शिक्षण प्रमुख सुनील ने स्वदेशी जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया तथा आत्मनिर्भर भारत के पथ पर चलने के लिए प्रेरित किया। देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने संघ शताब्दी वर्ष को पूरे देश और प्रदेश के लिए एक प्रेरणादायी कालखंड बताया और सभी अभिभावकों से अपने बच्चों को संघ के कार्य से जोड़ने का अनुरोध किया। इस मौके पर विभिन्न स्थानों से आई कीर्तन मंडलियों ने दीपावली उत्सव के उपलक्ष्य में भजनों की प्रस्तुति दी। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ दैविक हवन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में खंड संघचालक परशुराम भट्ट, जिला प्रचारक संतोष आदि मौजूद रहे।

नि:शुल्क कोचिंग सेंटर शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए पौड़ी में निःशुल्क कोचिंग सेंटर खुल गया। बृहस्पतिवार को ईशा फाउंडेशन की पहल पर पौड़ी में कोचिंग सेंटर का उद्घाटन संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी ने किया।

फाउंडेशन के निदेशक बीएस नेगी ने बताया कि पौड़ी व आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद मिलेगी। इस मौके पर फाउंडेशन के उत्तराखंड प्रभारी आलोक रावत, बीजीआर परिसर के पूर्व निदेशक प्रो. प्रभाकर बडोनी, संग्राम नेगी, मोहित रावत, डॉ. योगेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

सेमेस्टर परीक्षा के आवेदन पांच नवंबर तक भरे

श्रीनगर : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विषय सेमेस्टर के परीक्षा आवेदन गुरूवार से भरे जाने शुरू हो गए हैं। परीक्षा फार्म भरे जाने की अंतिम तिथि पांच नवंबर निर्धारित की गई है, जबकि विलंब शुल्क एक हजार रुपये के साथ फार्म सात नवंबर तक भरे जा सकेंगे।

विवि के परीक्षा नियंत्रक प्रो. जेएस चौहान ने बताया कि छात्र परीक्षा फार्म भरने के लिए विवि की वेबसाइट पर लॉगिन कर सकते हैं। कहा कि यदि किसी छात्र/छात्रा को ऑनलाइन परीक्षा आवेदन पत्र भरने में किसी भी प्रकार की समस्या आती है तो छात्र संबंधित परिसर / महाविद्यालय / संस्थान से सम्पर्क करें अथवा डाटा प्रोसेसिंग सेन्टर की मेल आईडी पर ई-मेल कर सकते हैं। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं से निर्धारित तिथि तक अपना परीक्षा आवेदन पत्र भरने की अपील की है। (एजेंसी)

प्राचार्य ने हॉस्टलों का किया निरीक्षण

श्रीनगर : राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना ने बृहस्पतिवार सुबह सात बजे से नौ बजे तक कॉलेज और बेस अस्पताल परिसर स्थित छात्र एवं छात्राओं के हॉस्टलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मैस व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ता और सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि छात्रों द्वारा यदि भोजन संबंधी शिकायत की जाती है, तो उस पर तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान प्राचार्य ने सभी मैस संचालकों को स्वच्छ, पौष्टिक और गुणवत्तापरक भोजन उपलब्ध कराने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हॉस्टलों में रहने वाले हमारे छात्र भविष्य के डॉक्टर हैं। उनका स्वास्थ्य और भोजन की गुणवत्ता हमारी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने सभी हॉस्टल वार्डनों को निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था, वाटर कूलर की कार्यप्रणाली और रसोई क्षेत्र की स्वच्छता का प्रतिदिन निरीक्षण किया जाए। साथ ही हॉस्टल परिसर की खाली जगह पर दोपहिया वाहनों की पार्किंग और छात्रों के लिए बैडमिंटन कोर्ट जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। पुरानी मोर्चरी के पास एक नई मोर्चरी बनाई जाएगी। निरीक्षण के दौरान अरविंद मैठाणी, प्रदीप नेगी, त्रिलोक रावत आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

खेल केवल शारीरिक विकास नहीं, अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास का आधार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मेरा युवा भारत, पौड़ी गढ़वाल द्वारा विकास क्षेत्र पौड़ी के खेल मैदान मैसमोर इंटर कॉलेज में दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। पुरुष वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता में युवा मंडल सर्किट हाउस ने युवा मण्डल पौड़ी वॉरियर्स को परास्त कर जीत अपने नाम की, वहीं दूसरी ओर महिला वर्ग में पिट्ठू प्रतियोगिता में युवा मण्डल सिल्ला ने युवा मण्डल मैसमोर को हराकर जीत अपने नाम की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मैसमोर इण्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. योगेन्द्र ने युवाओं को खेल के प्रति जागरुक करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास ही नहीं बल्कि अनुशासन टीम भावना और आत्मविश्वास का आधार है। ग्रामीण युवा खेलों के माध्यम से अपनी प्रतिभा निखारकर जनपद राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकते हैं। महिला प्रतिभागियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण बालिकाएं भी खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज को नई दिशा दे रही हैं। आज हम यहां ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतिस्पर्धा के आयोजन के लिए एकत्रित हुए हैं। यह आयोजन न केवल हमारे क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है बल्कि यह हमारे युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और खेल के माध्यम से अपने कौशल को विकसित करने के लिए भी प्रेरित करता है। दौड़ प्रतियोगिता महिला वर्ग में ईशा प्रथम, दीपिका द्वितीय, आजरा तृतीय स्थान पर रहीं। दौड़ प्रतियोगिता पुरुष वर्ग में प्रथम वंश, द्वितीय आल्विन भट्ट तथा तृतीय स्थान पर इशान रहे। लम्बीकूद प्रतियोगिता पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान पर कुनाल, द्वितीय सूरज पाल, तृतीय स्थान आकाश निराला ने प्राप्त किया। साथ ही लम्बीकूद प्रतियोगिता महिला वर्ग में प्रथम काजल, द्वितीय अंजली, तृतीय स्थान सोनाली भण्डारी ने प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका में व्यायाम शिक्षक शुभम रावत एवं नितिन चौहान रहे। विजेता टीमों को मेडल, उपहार, प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के संचालन में राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवी अमन नयाल द्वारा प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया गया। साथ ही उन्हें आत्मविश्वास के साथ कहा गया कि कभी सामने वाले का कद देख के मैदान नहीं छोड़ना चाहिए। इस अवसर पर राजकीय इण्टर कॉलेज अध्यापक मनोज बिष्ट, छात्रसंघ अध्यक्ष चिराग गुसाईं, राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवी प्रियंका असवाल, नेहा, शीतल, सलोनी, अतुल, अमन कुमार, शौर्य कुमार आदि उपस्थित रहे।

कबड्डी में कला संकाय ने मारी बाजी

थलीसैंण महाविद्यालय की वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता शुरू

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता शुरू हो गई है। कबड्डी पुरुष वर्ग व महिला वर्ग में कला संकाय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह ने कहा कि खेल के द्वारा शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है।

उन्होंने छात्रों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के कथन को परिभाषित करते हुए कहा कि असफलता से कभी घबराना नहीं चाहिए, खेल से स्वास्थ्य बेहतर होता है, यह हमारे जीवन में अनुशासन भी लाता है। कहा कि छात्रों को खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेना चाहिए। क्रीड़ा प्रभारी डॉ. विकास प्रताप सिंह ने खेल प्रतियोगिताओं की रूप रेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर आयोजित 100 मी. दौड़ पुरुष वर्ग में प्रदीप सिंह, नरेन्द्र सिंह, अस्मित नेगी, महिला वर्ग में मानसी, सरस्वती, साक्षी, गोला फेंक पुरुष वर्ग में सुरेन्द्र सिंह, ताजवर सिंह बिष्ट, दिनेश सिंह, महिला वर्ग में सुनीता, कंचन, दिया, भाला फेंक पुरुष वर्ग में गुलाब सिंह, प्रदीप सिंह, अमित सिंह, महिला वर्ग में सरस्वती, नीलम, सुमित्रा, चक्का फेंक पुरुष वर्ग में प्रदीप सिंह, शुभांशु नेगी, अंकित सिंह, महिला वर्ग में लक्ष्मी, करीना एवं कंचन ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में रेफरी की भूमिका युवा कल्याण विभाग की रोशनी रावत ने निभाई। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक वेटनरी हॉस्पिटल नैनीडांडा डॉ. गणेश मैंदोलिया, सामाजिक कार्यकर्ता आशाराम पोखरियाल सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं कर्मचारी मौजूद थे। मंच का संचालन डॉ. धर्मेन्द्र सिंह ने किया।

आशा कार्यकत्रियों को दी कानूनी अधिकारों की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विकासखंड कल्जीखाल अंतर्गत स्वास्थ्य सामुदायिक केंद्र घंडियाल में आशा कार्यकत्रियों की मासिक बैठक का आयोजन किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के श्रीमान सिविल जज सीनियर डिवीजन/सचिव श्रीमती नाजिश कलीम के निर्देश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंडियाल में गुरूवार को आयोजित बैठक में अधिकार मित्र/पीएलवी जगमोहन डांगी एवं सज्जन सिंह नेगी विधिक सेवाओं के तहत निःशुल्क कानूनी सहायता एवं केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार पूर्वक जानकारी दी। साथ ही पोक्सो एक्ट, मातृत्व एवं पितृहीन बच्चों के कानूनी अधिकारों के तहत पुनर्वास योजना एवं उनके लिए बाल अनुकूल सेवाएं, बाल अधिकार अधिनयम, जेनेरिक दवाइयां, सुरक्षित दवा सुरक्षित जीवन एवं नालसा के टोल फ्री नंबर 15100 की जानकारी दी गई। शिविर में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन सीएससी घंडियाल ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर शरद रौतेला, आशा कौऑर्डिनेटर दीपा भंडारी, आशा फैसिलिटेटर श्रीमती संजू रावत, श्रीमती दुर्गा देवी, कृष्णा बिष्ट, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन सीएससी घंडियाल ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर शरद रौतेला, ब्लॉक लेखा प्रबंधक सुमन कुमार आदि मौजूद थे।

रस्सा कस्सी और कबड्डी प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाया दमखम

शरदकालीन क्रीड़ा प्रतियोगिता आईएचएमएस ऑलंपियाड-2025 शुरु

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : इंस्टिट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) की ओर से आयोजित पांच दिवसीय शरदकालीन क्रीड़ा प्रतियोगिता आईएचएमएस ऑलंपियाड-2025 शुरु हो गया। गुरूवार को प्रतियोगिता के पहले दिन कबड्डी प्रतियोगिता के बालक वर्ग में गंभीर हाउस ने गोपाल को और अर्जुन ने प्रफुल हाउस को हराया। बालिका वर्ग में अर्जुन ने गंभीर और प्रफुल ने गोपाल हाउस को पराजित किया। बीईएल रोड बलभद्रपुर स्थित कालेज के खेल मैदान में आयोजित प्रतियोगिता का कॉलेज के निदेशक प्रबंधन ले. कर्नल बीएस नेगी, कार्यकारी निदेशक अजय राज नेगी, प्रचार्य डॉ. अश्वनी शर्मा ने दीप प्रज्विलित कर शुभारंभ किया। अपने संबोधन में ले. कर्नल बीएस नेगी ने कहा कि प्रत्येक कार्य की शुरुआत जीरो से होती है, प्रत्येक को अपनी मेहनत और लगन से इस अंक को आगे बढ़ाना होता है। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने की अपील की। पहले दिन बालिका वर्ग की रस्सा-कस्सी के साथ प्रतियोगिता शुरु की गई। पहला मैच अर्जुन हाउस और गोपाल हाउस के बीच हुआ, जिसमें गोपाल हाउस की छात्राओं ने दमखम दिखाते हुए जीत हासिल की। दूसरा मैच प्रफुल हाउस और गंभीर हाउस के बीच हुआ, जिसमें प्रफुल हाउस जीता। बालक वर्ग में प्रफुल हाउस और गोपाल हाउस के बीच हुई प्रतियोगिता में गोपाल हाउस विजयी रहा। वहीं गंभीर और अर्जुन हाउस के मैच में गंभीर हाउस जीता। प्रतियोगिता का आखों देखा हाल हर्षपाल सिंह रावत, अनुराग सेमवाल, सुरेंद्र जगवान, वीरेंद्र आर्य, राहुल जेशी ने सुनाया। इस अवसर पर क्रीड़ा समन्वयक अंकित कुकरेती, गुरदीप सिंह, जन संपर्क अधिकारी नरेश थपलियाल सहित कॉलेज के सभी प्राध्यापक और कर्मचारी मौजूद रहे।

लालढांग-चिल्लरखाल रोड न बनने के लिए सत्ता और विपक्षी पार्टियां जिम्मेदार

पूर्व सैनिक अण्थ्वाल की भूख हड़ताल छटें दिन भी जारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लालढांग-चिल्लरखाल वन मोटर मार्ग निर्माण की मांग को लेकर जहां धरना 34वें दिन जारी रहा। वहीं पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं पूर्व सैनिक अध्यक्ष राजाराम अण्थ्वाल भूख हड़ताल छठे दिन भी जारी रही। इस मौके पर प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। कहा कि न तो सत्ता पार्टी इस मार्ग के लिए कुछ कर रही है और न ही विपक्ष ने पूर्व में इस रोड पर लगी रोक को सार्वजनिक किया और न ही रैली, धरना, भूख हड़ताल की। इसलिए इस रोड के न बनने में सत्ता और विपक्षीय पार्टियां जिम्मेदार हैं। गुरूवार को धरना स्थल पर पंडित बसंत बल्लभ जोशी ने सरकार की बुद्धि शुद्धि के लिए हवन यज्ञ किया। हवन में लालढांग और चिल्लरखाल से भारी संख्या में आएं लोगों ने आहुति दी। इस मौके पर संकल्प लिया गया कि जब तक रोड़ नहीं बनेगी तब तक धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। इस मौक पर लोगों ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि के प्रति अपना आक्रोश जताया। कहा कि चुनाव में इस मार्ग का निर्माण घोषणापत्र में अग्रिम स्थान पर रखा जाता है, लेकिन चुनाव जीतने के बाद जनप्रतिनिधि अपने वायदे को भूल जाते हैं। इस अवसर पर प्रदर्शनकारियों ने प्रदेश सरकार से लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग की अदालत में मजबूत पैरवी मार्ग कर निर्माण की बाधाओं को दूर करने की मांग की।

मंत्री ने बालिका छात्रावास का किया शिलान्यास

श्रीनगर : चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर में बालिका छात्रावास के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस परियोजना को राज्य योजना वर्ष 2024-25 के अंतर्गत स्वीकृत किया गया है, जिसकी धनराशि 701.65 लाख है। निर्माण कार्य ग्रामीण निर्माण विभाग, प्रखंड पौड़ी द्वारा किया जाएगा। शिलान्यास के अवसर पर मंत्री ने कहा कि यह छात्रावास दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाली छात्राओं को सुरक्षित, स्वच्छ और आधुनिक सुविधाओं से युक्त आवास उपलब्ध कराएगा। इससे न केवल छात्राओं को बेहतर शिक्षण वातावरण मिलेगा बल्कि महिला शिक्षा को नई दिशा और गति भी प्राप्त होगी। राज्य सरकार बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। इस दौरान प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना ने मंत्री का आभार जताया।

संपर्क मार्ग का पुश्ता टूटने से लोगों की परेशानी बढ़ी

श्रीनगर : चौरास व बडियारगढ़ पट्टी के कई गांवों के लोगों को श्रीनगर से जोड़ने वाले नैथाणा झूला पुल के टूटे पुश्ते ने करीब एक माह से लोगों की परेशानियां बढ़ाई हुई हैं। इस पुश्ते के निर्माण के लिए लोनिवि कीर्तिनगर की ओर से काम शुरू किया गया है, लेकिन यहां पर संकरी जगह होने के कारण काम में तेजी नहीं आ पा रही है, जिसके खामियाजा लोगों को झेलना पड़ रहा है। करीब 15 दिन यह दिक्कत और बनी रहने की संभावना है। नैथाणा झूला पुल पैदल एवं दुपहिया वाहनों की आवाजाही के लिए उपयोग में लाया जाता है, लेकिन वर्तमान में इस पुल का उपयोग पैदल चलने वाले लोगों को भी नहीं मिल पा रहा है। चौरास क्षेत्र से बड़ी संख्या में यहां विद्यालयों में पढ़ने के लिए छात्र-छात्राएं आते हैं, जिसके कारण उन्हें लंबी दूरी घूमकर यहां आना पड़ रहा है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पुल के संपर्क मार्ग का करीब 30 मीटर पुश्ता सितंबर माह में हुई बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त हो गया था, जो अभी तक नहीं बन पाया है। इससे इस मार्ग से दुपहिया वाहनों के साथ ही पैदल आवाजाही भी बंद रखी है। लोनिवि कीर्तिनगर की सहायक अभियंता निक्की बाला ने कहा कि पुल के संपर्क मार्ग के पुश्ते का निर्माण कार्य जारी है। आवाजाही के लिए संपर्क मार्ग के उपयोग में करीब 15 दिन का समय और लगेगा। (एजेंसी)

महिला सुरक्षा को लेकर किया जागरूक

श्रीनगर : सेंट टेरेसा स्कूल में क्षेत्राधिकारी अनुज कुमार एवं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जयपाल सिंह नेगी के निर्देशन में महिला उपनिरीक्षक भावना भट्ट द्वारा महिला सुरक्षा एवं करियर काउंसलिंग पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य एन्सी एकेन एवं शिक्षकों की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं को महिलाओं और बच्चों से संबंधित अपराधों, गुड टच-बैड टच, साइबर अपराध, यातायात नियमों, नशा मुक्ति और करियर से जुड़े सुझावों की जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने छात्राओं को बताया कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर वे तुरंत आपातकालीन नंबर 112, साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930, या गौरा शक्ति ऐप पर शिकायत दर्ज करा सकती हैं। (एजेंसी)

एआई को भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ किया जाए विकसित: प्रो जोशी

नई टिहरी। देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के सेंटर आफ एक्सलेंस एआई ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में नवीनतम रुझान विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का विधिवत समापन हुआ। समापन विवि के कुलपति प्रो एनके जोशी ने किया। विवि के स्वामी विवेकानंद सभागार में समापन हुये कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एनके जोशी ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि भारत में एआई का अर्थ केवल नहीं, बल्कि आविष्कार का आरंभ होना है।

ज्ञान, विनम्रता और नैतिकता से प्रेरित मानव प्रगति का आरंभ। उन्होंने संस्कृत श्लोक विद्या ददाति विनयं का उल्लेख करते हुए कहा कि सच्चा ज्ञान तभी सार्थक है जब वह विनम्रता और समाज के कल्याण से जुड़ा हो। कुलपति प्रो जोशी ने अपने विस्तृत संबोधन में एआई की भूमिका को उत्तराखंड के सर्वागीण विकास से जोड़ते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र में एआई आधारित कृषि से किसानों की आय दुगुनी होगी। ड्रोन तकनीक भूस्खलन, बाढ़ और आपदाओं में राहत व बचाव का नया अध्याय लिखेगी। पर्यटन क्षेत्र में एआई आधारित स्मार्ट पर्यटन प्लेटफॉर्म न केवल पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करेंगे, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाएंगे। गृहिणियों और आम नागरिकों के लिए एआई डिजिटल सशक्तिकरण का माध्यम बन सकता है, विशेषकर जब यह स्थानीय भाषाओं जैसे गढ़वाली और कुमाउँनी में उपलब्ध हो। स्वास्थ्य सेवाओं में टेलीमेडिसिन, रिमोट डायग्नोस्टिक्स और एआई-पावर्ड पोर्टेबल उपकरण पहाड़ी क्षेत्रों में उपचार को सुलभ और सस्ता बनाएंगे। शिक्षा और कौशल विकास में एआई प्रत्येक छात्र की सीखने की गति और क्षमता के अनुसार व्यक्तिगत अध्ययन अनुभव प्रदान करेगा। इस सम्मेलन में प्रो जोशी व प्रो एमके शर्मा व डा प्रशांत की संपादित पुस्तक एआई फार आल का विमोचन भी किया गया।

राउमावि घोल्डानी में आपदा को लेकर दिया प्रशिक्षण

नई टिहरी। जनपद टिहरी के विभिन्न विद्यालयों के लिए चलाये जा रहे स्कूल सेफ्टी परआधारित आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रतापनगर ब्लॉक के राउमावि घोल्डानी में एक दिवसीय आपदा प्रबंधन, न्यूनीकरण व त्वरित राहत—बचाव कार्य के साथ जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें आपदा प्रबंधन प्राधिकरण टिहरी के तत्वाधान में मास्टर ट्रेनर अनिल सकलानी ने प्रशिक्षण व जनजागरूकता में छात्रों व स्टाफ को तमाम तरह की जानकारियां दी। इस अवसर पर छात्र—छात्राओं प विद्यालय कार्मिकों को क्षेत्र के अंतर्गत विद्यमान तथा संभावित प्राकृतिक आपदाओं के विषय में जानकारी दी गई। आपदा के प्रकार आपदा के पहले, आपदा के दौरान और पश्चात की कार्यवाही के बारे में बताया गया। जिसमें आपदा से पूर्व तैयारी, सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन की जानकारी दी। बेसिक उपकरणों की जानकारी, आपातकालीन स्थिति के समय क्या करें, स्ट्रेचर बनाना, प्राथमिक उपचार, आग से बचने के तरीके और बाढ़ से बचाव के तरीके आदि संबंधित जानकारी के साथ जनपद आपातकालीन, राज्य आपातकाल व अन्य आपातकालीन के लिए टोल फ्री नंबरों की जानकारी। विद्यालय परिसर के सुरक्षित स्थान एवं निकासी मार्गों को लेकर बताया गया। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ने सभी छात्रों व स्टाफ को प्रशिक्षण का लाभ लेने की अपील करते हुए आपदा प्रबंधन विभाग का आभार जागरूकता करने को लेकर जगाया।

50 लाख की स्मैक के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

बरेली से पौड़ी तक स्मैक सप्लाई की साजिश नाकाम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जनपद पौड़ी गढ़वाल में मादक पदार्थों की तस्करी थमने का नाम नहीं ले रही है। पुलिस की लगातार कार्यवाही के बावजूद भी मादक पदार्थों की तस्करी कर रहे है। कोटद्वार पुलिस ने 172.81 ग्राम अवैध स्मैक के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। स्मैक की अनुमानित कीमत 50 लाख रुपये बताई जा रही है। आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश-कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

त्यौहारी सीजन के दृष्टिगत जनपद पौड़ी में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह द्वारा जनपद के सभी थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने थाना क्षेत्रों में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और नशे के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी वैधानिक कार्यवाही सुनिश्श्चित करें। इसी क्रम में बी.ई.एल रोड कोटद्वार पर संदिग्ध अवस्था में एक व्यक्ति मोहित (उम्र 28 वर्ष) पुत्र पूरनलाल, निवासी-16 गंगापुर चौराहा, सहमत गंज, थाना बारादरी, जिला बरेली, उत्तर प्रदेश को रोका गया। उसके कब्जे से 172.81 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख रुपये है। आरोपी को गिरफ्तार कर कोतवाली लाया गया। जहां आरोपी के खिलाफ एन.डी.पी.एस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेशकर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक राजाराम डोभाल, उपनिरीक्षक जयपाल सिंह चौहान, मुख्य आरक्षी संतोष कुमार, आरक्षी हरीश, गंभीर सिंह, तेजपाल आदि शामिल थे।

स्कूल-कॉलेज के बच्चों तक पहुंचाने की थी योजना

अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि वह बरेली का निवासी है और बरेली में स्मैक बेचने का काम करता है, त्यौहारी सीजन में अधिक मुनाफा कमाने के उद्देश्य से वह कोटद्वार आया था। आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने स्मैक की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर स्कूल-कॉलेज के छात्रों और फैक्ट्री कर्मचारियों को बेचने की योजना बनाई थी। यह काम वह लंबे समय से कर रहा था।

चमोली में 17 हजार से अधिक वृद्धजनों को मिल रहा पेंशन सुविधा का लाभ

— जिले में गैरसैंण विकासखंड में सर्वाधिक वृद्धजनों को मिल रहा योजना का लाभ

चमोली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिहं धामी के निर्देशन में वृद्धावस्था पेंशन राज्य के असहाय और गरीब परिवारों के बुर्जुगों का सहारा बन गई है। पेंशन योजना से लाभान्वित होने वाले वृद्धजन सरकार की ओर से मिल रही पेंशन से सम्मान से अपना जीवन यापन कर रहे हैं। वर्तमान में समाज कल्याण विभाग की ओर से संचालित योजना के तहत 17 हजार 88 वृद्धजनों को योजना का सीधा लाभ मिल रहा है।

राज्य में समाज कल्याण विभाग की ओर से असहाय और गरीब लोगों के लिए वृद्धावस्था, विकलांग, विधवा, किसान, 10 वर्ष तक के दिव्यांगों, बौना और परित्यक्ता पेंशन योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। चमोली जनपद में वर्तमान में समाज कल्याण विभाग की ओर से संचालित वृद्धावस्था पेंशन योजना का 17 हजार 88 वृद्ध दम्पति को लाभांवित किया जा रहा है। जनपद में वृद्धावस्था पेंशन योजना से गैरसैंण ब्लॉक के सर्वाधिक 3 हजार 74 तथा देवाल ब्लॉक में सबसे कम 1,018 वृद्धजनों को योजना से जोड़कर पेंशन का नियमित भुगतान किया जा रहा है। इसके साथ ही जनपद के दशोली विकास खंड में 2257, नंदानगर में 1666, जोशीमठ में 1997, कर्णप्रयाग में 2399, नारायणबगड़ में 1559, पोखरी में 1823 और थराली में 1295 पात्र वृद्धजनों को योजना का लाभ दिया जा रहा है। सरकार की ओर से योजना में बीपीएल कार्ड धारक व 4 हजार से कम आय वाले 60 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों को 15 सौ रुपए की मासिक पेंशन का भुगतान किया जाता है। योजना में पंजीकरण के लिए जहां विभाग की ओर से लगाए जाने वाले शिविर में आवेदन किया जा सकता है। वहीं पेंशन योजना के लिए ररढ.व'ॅङ्ग्श्.ल्ल/ की वेबसाइट पर भी आवेदन किया जा सकता है।चमोली जनपद में वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 17 हजार से अधिक वृद्धजनों को पेंशन का नियमित भुगतान किया जा रहा है। वृद्धजनों की सुविधा के लिए विभाग की ओर से शिविरों में पंजीकरण व समस्याओं के समाधान की व्यवस्था बनाई गई है।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / कोचिंग (एसीओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर पार्किंग एवं पे एंड यूज के कार्यों को IREPS के माध्यम ठेके पर देने हेतु ई-नीलामी www.ireps.gov.in पर दिनांक 30.10.2025 को आयोजित की जाती है, जिसका विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 3202/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना सं: Elect/TRD/MB/2025-26/TN-09 दिनांक : 15.10.2025

विभाग	Electrical (TRD)
टेंडर न.	T-11-TRD-MB-25-26
कार्य का नाम	मुरादाबाद मंडल के चुने हुए [illegible] का [illegible]।
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	06.11.2025, 11.00 Hrs
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	₹ 1,85,72,062.13/- (Including GST@18%)
बिड सिक्यूरिटी राशि (₹)	₹ 2,42,900/-
निविदा प्रपत्र मूल्य (₹)	NIL
ऑफर की वैधता (दिन)	60 days
कार्य पूरा करने की अवधि	09 Months
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad.

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3205/2025

संक्षिप्त समाचार

चमोली के नवनियुक्त डीएम गौरव कुमार ने संभाला पदभार

चमोली। चमोली में नवनियुक्त जिलाधिकारी गौरव कुमार ने गुरुवार दिनांक 16 अक्टूबर 2025 को कार्यालय पहुँचकर विधिवत रूप से अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। नवनियुक्त जिलाधिकारी के पहुंचने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इसके बाद जिलाधिकारी ने जिला कोषागार का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर और आपदा कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया इसके उपरांत जिलाधिकारी महोदय द्वारा जिलाधिकारी सभागार में कलेक्ट्रेट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक ली गयी उन्होंने बैठक में सभी का परिचय जाना और कहा कि जनपद के विकास कार्यों को गति देने के लिए सभी के सहयोग की अपेक्षा है इस दौरान उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं दी। जिलाधिकारी गौरव कुमार 2017 बैच के आईएएस अधिकारी है। इससे पूर्व वे अपर सचिव, शहरी विकास, सूचना प्रौद्योगिकी, सुराज एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी, निदेशक–शहरी विकास निदेशालय, देहरादून, निदेशक–क्ळऊअ, प्रबन्ध निदेशक–हिल्ट्रान पद पर कार्यरत रहे।

सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं

रुद्रप्रयाग, राष्ट्रीय पोषण माह के तहत आयोजित कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान कार्यकर्ताओं को अन्नप्राशन, गोद भराई और महालक्ष्मी किट वितरित की गई। ब्लॉक प्रमुख जखोली विनीता चमोली ने कहा कि बाल विकास एवं पोषण किसी भी समाज की नींव होती है। उन्होंने महिलाओं व बच्चों के पोषण के लिए सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। ब्लॉक के अधिकारियों की ओर से महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पोषण अभियान, महालक्ष्मी योजना, सुपोषण तथा बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ अभियान की जानकारी दी गई। पोषण माह के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं को प्रशस्तिपत्र भी वितरित किए गए।

तल्लानागपुर महोत्सव की तैयारियां शुरू

रुद्रप्रयाग। तल्ला नागपुर क्षेत्र के चोपता चांदधार में होने वाले पांच दिवसीय तल्लानागपुर औद्योगिक विकास, कृषि एवं पर्यटन महोत्सव की तैयारियों को लेकर समिति ने एक बैठक की। यह महोत्सव एक से पांच नवंबर तक आयोजित होगा। समिति के उपाध्यक्ष गोकुल लाल टम्टा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सबसे पहले समिति के पूर्व अध्यक्ष रहे प्रताप सिंह मेवाल के आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया। मेले को भव्य रूप देने के लिए महिला मंगल दल और छात्र–छात्राओं के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रमुखता दी जाएगी। इस मौके पर मेला सचिव महेंद्र नेगी, जिपंस संपन्न नेगी, ग्राम प्रधान जाखणी सरोजनी देवी, जगवीर सिंह नेगी, जीत सिंह मेवाल और लक्ष्मण सिंह आदि मौजूद रहे।

कृषि औद्योगिक एवं पर्यटन विकास मेले के आयोजन की तैयारियों में जुटी समिति

रुद्रप्रयाग। जखोली में 25 से 29 अक्तूबर तक होने वाले कृषि औद्योगिक एवं पर्यटन विकास मेले के आयोजन के लिए लेकर मेला समिति तैयारियों में जुट गई है। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही खेलकूद प्रतियोगिताएं भी होंगी। लोक गायक प्रीतम भरतवाण और हेमा करासी के साथ ही महिला मंगल दल की महिलाओं की सांस्कृतिक टीमें लोकगीतों की प्रस्तुतियां देंगी। मेला अध्यक्ष/ब्लॉक प्रमुख विनीता चमोली और खंड विकास अधिकारी सुरेश शाह ने बताया कि मेले को भव्य रूप दिया जा रहा है।

नेपाल राजदूतावास से मिली सूचना 'विपिन इज नो मोर

पिथौरागढ़। भारत की सीमा से लगे नेपाल के बैतड़ी जिले के दोगडाकेदार गांवपालिका रीम पुख्योली निवासी युवक इजरायल में पढ़ाई करने के दौरान हमास ने बंधक बना दिया था। इधर बंधकों की रिहाई के बाद स्वजनों को युवक के वापस लौटने की आस जगी थी, परंतु नेपाल राजदूतावास से सूचना मिली कि 'विपिन इज नो मोर'। नेपाली युवक विपिन विगत दो वर्षो से इजराइल में कृषि की पढ़ाई कर रहा था। इजरायल और हमास के युद्ध में वह हमास द्वारा बनाए बंधकों में वह भी शामिल था। इस संबंध में उसके स्वजन लगातार प्रयास कर रहे थे ।

सरकार का लक्ष्य हर क्षेत्र सुगम, सशक्त और समृद्ध बनें : धामी

मुख्यमंत्री ने किया 20.89 करोड़ लागत की पुनर्निर्माण कार्यों का शिलान्यास

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को जनपद ऊधम सिंह नगर के खटीमामेलाघाट राज्य मार्ग (राज्य मार्ग संख्या 107) के पुनर्निर्माण कार्यों का विधिवत पूजा-अर्चना कर शिलान्यास किया। यह परियोजना 2089.74 लाख की लागत से बनाई जाएगी। इसके अंतर्गत 11.50 किलोमीटर लंबी सड़क का पुनर्निर्माण, केसी ड्रेनेज सिस्टम, सड़क सुरक्षा कार्य, रोड साइनएज की स्थापना, टीबीएम एवं बीसी द्वारा सुदृढ़ीकरण कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सड़क केवल खटीमा क्षेत्र के विकास की धुरी नहीं है, बल्कि भारत-नेपाल सीमावर्ती संपर्क का भी महत्वपूर्ण मार्ग है। इस सड़क के सुधारीकरण से खटीमा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को न केवल सुगम यातायात सुविधा मिलेगी, बल्कि सीमावर्ती व्यापार, पर्यटन और शिक्षा से जुड़े अवसरों को भी नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्यों के साथ-साथ भू-कटाव रोकने और स्थानीय जल निकासी व्यवस्था के सुधार पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि सड़क लंबे समय तक टिकाऊ और सुरक्षित बनी रहे। कहा कि खटीमा अब शिक्षा का हब बन चुका है, जहां से प्रदेश ही नहीं बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों के विद्यार्थी भी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री धामी ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि उत्तराखंड का हर क्षेत्र सुगम, सशक्त और समृद्ध बने। विकास की हर परियोजना जनता के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है। खटीमा-मेलाघाट सड़क परियोजना भी इसी दृष्टि से एक मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्रकनेक्टिविटी ही विकास की रीढ़ह्र के संकल्प को आगे बढ़ा रही है। इसी भावना के अनुरूप राज्य के प्रत्येक क्षेत्र में सड़कों का विस्तार और आधुनिकीकरण तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, दायित्वधारी फरजाना बेगम, अनिल कपूर डब्बू, शंकर कोरंगा, पूर्व विधायक डॉ. प्रेम सिंह राणा एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

स्वस्थ रहने के लिए सक्रिय रहना जरूरी

श्रीनगर : अवकाश प्राप्त कर्मचारी विकास संगठन श्रीनगर का 41वां स्थापना दिवस बृहस्पतिवार को मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कृष्णानंद मैठाणी और विशिष्ट अतिथि प्रो. डीएस नेगी रहे। इस मौके पर संगठन के तीन वरिष्ठ सदस्य गिरिश चंद्र पांडे, रमेश्वर गौतम और बसंती देवी भट्ट, जिन्हें 80 वर्ष पूर्ण करने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रमेश्वर गौतम ने कहा कि कोई भी सदस्य कभी वृद्ध नहीं होता, स्वस्थ रहने के लिए सक्रिय रहना जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन पीसी नौटियाल ने किया। विमल बहुगुणा ने मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों का परिचय दिया। डॉ. भरत कुमार चौहान ने संगठन के विकास में विशेष योगदान देने वाले सदस्यों को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष सुरेश चंद्र मैठाणी, सचिव दीनबंधु सिंह चौहान, महेंद्र सिंह नेगी, हरि प्रसाद उनियाल, राजाराम जोशी, ओमप्रकाश जुगरान, यमुना प्रसाद काला, जीत सिंह रावत, राजेंद्र सिंह रावत, प्रेम बल्लभ नैथानी आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

जनपदीय विद्यालयी एथलेटिक्स प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

अल्मोड़ा। हेमवंती नंदन बहुगुणा स्पोर्ट्स स्टेडियम, अल्मोड़ा में जनपदीय विद्यालयी एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ विधायक मनोज तिवारी ने किया। कार्यक्रम में मेयर अजय वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों द्वारा आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मनोज तिवारी ने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा है, जो बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होता है। उन्होंने कहा कि विद्यालयी एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में बजट की कमी को दूर करने के लिए वे शिक्षा मंत्री के समक्ष यह विषय उठाएंगे। विशिष्ट अतिथि मेयर अजय वर्मा ने प्रतिभागियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर विगत वर्ष की चैंपियन राबाइका बाड़ेछीना की छात्रा ललिता जड़ौत ने मशाल प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ किया। पहले दिन की प्रतियोगिताओं में विभिन्न वर्गों के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अंडर–14 बालक वर्ग की लंबी कूद में प्रिंस कुमार प्रथम, विजय सिंह द्वितीय और गौरव तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में मानवी रावत प्रथम, हिमानी द्वितीय और गायत्री तृतीय स्थान पर रहीं। अंडर–17 बालक वर्ग की 3000 मीटर दौड़ में महेंद्र सिंह ने प्रथम, पियुष चंद्र ने द्वितीय और पियुष राणा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में दिया रावत प्रथम, अंजलि बोरा द्वितीय और दीपा आर्या तृतीय रहीं। अंडर–19 बालक वर्ग की 3000 मीटर दौड़ में दीपक बोरा प्रथम, सुमित सिंह द्वितीय और भगवंत सिंह तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में अंजलि उप्रेती ने प्रथम, सुनीता पांडे ने द्वितीय और कंचन नयाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

रेस्टोरेंट में थूक लगाकर बना रहा था रोटी, हंगामा

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में होटल में रोटी बनाते युवक द्वारा रोटी में थूकने की हरकत से माहौल गरमा गया है। पुलिस ने युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरु कर दी है। उत्तरकाशी जिला मुख्यालय में एक रेस्टोरेंट में तंदूरी रोटी बनाते हुए थूकने का मामला सामने आया है, जिसकी वीडियो उत्तरकाशी स्थित प्रतिष्ठित जायका रेस्टोरेंट का बताया जा रहा है। इसमें एक युवक तंदूरी रोटी बनाते समय रोटी में दो बार थूकते हुए भी नजर आ रहा है। रोटी बनाने के बाद हाथों में थूककर भी युवक हाथों को मसलते हुए भी देखा जा रहा है। युवक की इस हरकत को देखते हुए हिंदू संगठन से जुड़े युवाओं ने बाजार में दुकाने बंद कराई और जमकर प्रदर्शन किया, वहीं थूक जिहाद का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से खूब वायरल हो रहा है। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा पंजीकृत कर जांच में जुट गई है। वहीं पुलिस द्वारा क्षेत्र के आक्रोशित लोगों को शान्ति बनाये रखने की अपील भी जनता से की है। वहीं प्रदर्शनकारियों का कहना है कि गंगोत्री धाम के मार्ग में स्थित रेस्टोरेंट में 'थूक जिहाद' जैसी घटना को अंजाम देने वाले समुदाय विशेष के युवक पर कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए ताकि शांत वादियों में थूक जिहाद जैसी घटना को बढ़ावा न मिल सके। वहीं इस मामले के सामने आने के बाद अब अलग–अलग धार्मिक संगठनों ने समुदाय विशेष के इस युवक के इस कृत्य की घोर निंदा करते हुए नजर आ रहे हैं।

श्रीनगर के सितारे के लिए शुरू हुए ऑडिशन

श्रीनगर : बैकुंठ चतुर्दशी मेले के दौरान होने वाले श्रीनगर के सितारे प्रतियोगिता (श्रीनगर स्टार नाइट) के लिए ऑडिशन शुरू हो गए हैं। पहले दिन श्रीकोट गंगानाली में गायन एवं नृत्य के ऑडिशन हुए। तीन दिनों तक अलग–अलग स्थानों पर चलने वाले ऑडिशन के बाद अंतिम रूप से प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा। महापौर आरती भंडारी ने कहा कि श्रीनगर के युवाओं में अद्वितीय प्रतिभा है और श्रीनगर के सितारे प्रतियोगिता उनका मंच है। हम नगर निगम के माध्यम से उन्हें ऐसा अवसर देना चाहते हैं, जिससे वे अपने हुनर को निखार सकें और राज्य व देश स्तर पर अपनी पहचान बना सकें। कार्यक्रम के समन्वयक संजय राणा ने बताया कि अब तक लगभग 60 फॉर्म प्राप्त हो चुके हैं। श्रीकोट में आयोजित ऑडिशन में 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया। ऑडिशन में पार्षद अंजनी भंडारी, अंजना रावत राजेंद्र नेगी, नवीन कुमार पंकज सती आदि मौजूद रहे। 17 अक्तूबर को मंगलम वेडिंग प्वाइंट उफल्डा में तथा 18 अक्तूबर को नगर निगम सभागार में ऑडिशन होंगे। (एजेंसी)

मुख्यमंत्री ने खटीमा में किया 215 फीट ऊंचे तिरंगे का लोकार्पण

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कंजाबाग तिराहा खटीमा में मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत कार्यदायी संस्था लघु सिंचाई विभाग द्वारा 47.42 लाख की लागत से स्थापित किए गए 215 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज का विधिवत पूजा अर्चना कर फीता काटकर व ध्वजारोहण कर लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राष्ट्रीय ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि हमारे देश की एकता, अखंडता और शौर्य का प्रतीक है। कहा कि यह ध्वज यहां खड़ा होगा और हर नागरिक को देशभक्ति की भावना से प्रेरित करेगा। इस अवसर पर लघु सिंचाई विभाग द्वारा प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम कुसुम) योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु सोलर प्रदर्शनी भी लगाकर किसानों व जनता को योजना की विस्तृत जानकारियां भी दी गई। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, मेयर विकास शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, दर्जामंत्री फरजाना बेगम, अनिल कपूर डब्बू, शंकर कोरंगा, जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, पूर्व विधायक डॉ. प्रेम सिंह राणा, मोहनी पोखरिया, किशन सिंह (किन्ना), जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, उपाध्यक्ष जिला विकास प्राधिकरण जय किशन, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, मुख्य चिकित्साधिकारी के के अग्रवाल, अधिशासी अभियंता लघु सिंचाई विभाग सुशील कुमार एवं जनप्रतिनिधि व जनता मौजूद थी।

डॉ. संदीप तिवारी ने नवनियुक्त जिलाधिकारी गौरव कुमार से की सौजन्य भेंट

– जनपद में चल रहे विकास कार्यों की दी जानकारी, दोनों अधिकारियों के बीच हुयी सकारात्मक चर्चा

चमोली। जिलाधिकारी चमोली रहे डॉ. संदीप तिवारी का स्थानांतरण निदेशक, समाज कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड के पद पर होने के उपरान्त उन्होंने गुरुवार को जीएमवीएन कर्णप्रयाग में नवनियुक्त जिलाधिकारी चमोली गौरव कुमार से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर डॉ.संदीप तिवारी ने जनपद चमोली के विकास से जुड़े महत्त्वपूर्ण विषयों एवं चल रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा की।उन्होंने विशेष रूप से बद्रीनाथ मास्टर प्लान, हेमकुंड साहिब रोपवे,जोशीमठ भू धसाव ट्रीटमेंट कार्य, आगामी नंदा देवी राजजात यात्रा, कर्णप्रयाग के बहुगुणा नगर में ट्रीटमेंट कार्य, तथा गौचर मेले की व्यवस्थाओं से संबंधित प्रगति एवं आवश्यक बिंदुओं से नवनियुक्त जिलाधिकारी को अवगत कराया। भेंट के दौरान दोनों अधिकारियों के बीच जनपद चमोली के सर्वांगीण विकास, जनहित के कार्यों की निरंतरता और प्रशासनिक समन्वय पर सकारात्मक चर्चा हुई। डॉ. संदीप तिवारी ने विश्वास व्यक्त किया कि गौरव कुमार के नेतृत्व में जनपद चमोली विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

नवनियुक्त जिलाधिकारी गौरव कुमार ने डॉ. संदीप तिवारी के मार्गदर्शन एवं उनके अनुभव की सराहना करते हुए कहा कि वे जिले के समग्र विकास एवं आमजन की सुविधाओं को प्राथमिकता देंगे।यह भेंट सौहार्दपूर्ण और सहयोगपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई।

सेवा इंटरनेशनल ने आयोजित की व्यवसाय विकास कार्यशाला

अल्मोड़ा। नगर के एक होटल सभागार में सेवा महिला ज्योति कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय व्यवसाय विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर अजय वर्मा, सेवा इंटरनेशनल के वरिष्ठ राज्य प्रबंधक तारक राम टी.एस., जिला उद्योग केंद्र के सहायक प्रबंधक मोहित जोशी, महिला लघु उद्यमी हर्षिता सुयाल बिष्ट और ट्रेनर सोनिया अधिकारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। महापौर अजय वर्मा ने कहा कि आत्मनिर्भर मातृशक्ति ही आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार कर सकती है। इस दिशा में सेवा इंटरनेशनल का प्रयास सराहनीय है, जो महिलाओं को स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। कार्यशाला में सेवा महिला ज्योति सिलाई केंद्र, शहरफाटक में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही दस युवतियों को उद्यमिता, नवाचार, व्यावसायिक कौशल, वित्तीय प्रबंधन और संचार के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिला उद्योग केंद्र के सहायक प्रबंधक मोहित जोशी ने राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। सेवा इंटरनेशनल के वरिष्ठ राज्य प्रबंधक तारक राम टी.एस. ने विचार को व्यवसाय में बदलने के तरीकों पर सत्र लिया।

बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट कर 18.80 लाख की ठगी

अल्मोड़ा। देघाट क्षेत्र में एक बुजुर्ग को दस दिनों तक डिजिटल अरेस्ट कर लाखों रुपये की ठगी करने वाले साइबर अपराधी को थाना देघाट और एसओजी की संयुक्त टीम ने राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने खुद को क्राइम ब्रांच अधिकारी बताकर पीड़ित को झांसे में लिया था। मामला विगत 5 सितंबर का है, जब देघाट निवासी गोपाल दत्त ने थाने में तहरीर दी कि एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को क्राइम ब्रांच अधिकारी बताकर उन्हें बैंक धोखाधड़ी में संलिप्त होने का भय दिखाया और दस दिनों तक डिजिटल अरेस्ट में रखकर 18 लाख 80 हजार रुपये ठग लिए। शिकायत के आधार पर थाना देघाट में मुकदमा संख्या 18/2025 धारा 61(2)/308 (5)/318(4) भारतीय न्याय संहिता में दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पींचा ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की। अपर पुलिस अधीक्षक हरबन्स सिंह और क्षेत्राधिकारी रानीखेत विमल प्रसाद के पर्यवेक्षण में निरीक्षक भुवन जोशी (प्रभारी एसओजी) तथा थानाध्यक्ष देघाट अजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने साइबर सेल प्रभारी राहुल राठी के साथ मिलकर ठगों के नेटवर्क का पता लगाया। लगातार निगरानी और तकनीकी जांच के बाद टीम ने 14 अक्तूबर 2025 को आरोपी को राजस्थान के सूरतगढ़ से गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी देवेन्द्र पींचा ने कहा कि इस तरह के साइबर अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय को स्थानांतरण पर दी भावभीनी विदाई

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय का मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीएमजीएसवाई उत्तराखंड तथा अपर सचिव उत्तराखंड शासन के पद पर स्थानांतरण होने के बाद आज जिला कार्यालय में राजस्व विभाग सहित अन्य अधिकारियों एवं कार्मिकों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय ने अल्मोड़ा जनपद में करीब एक वर्ष 2 माह तक अपनी बहुमूल्य सेवाएं दी। उन्होंने 9 सितम्बर 2024 को जनपद अल्मोड़ा के जिलाधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। विदाई समारोह में मौजूद अधिकारियों ने जिलाधिकारी के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें एक कुशल प्रशासक और जनपद अल्मोड़ा में उनके कार्यकाल को स्वर्णिम बताया। अधिकारियों ने उनकी सादगी और उनकी कार्यकुशलता को अविस्मरणीय बताया। कहा कि जिलाधिकारी के मार्ग निर्देशन में अल्मोड़ा जनपद में अनेक नवाचार तथा विकास कार्यों को धरातल पर उतारने में सफलता मिली है। स्वास्थ्य एवं शिक्षा सहित अनेक क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय कार्य हुए। उन्होंने खनन न्यास से अस्थाई शिक्षकों की तैनाती की। महिला सशक्तिकरण के लिए नगर अल्मोड़ा में पिंक ई रिक्शा की शुरुआत की। बेस अस्पताल में नशा मुक्ति केंद्र खोलने समेत सरकारी कार्यों में होने वाली भोजन की व्यवस्था को महिला स्वयं सहायता समूहों को देने जैसे अनेक कार्य जिलाधिकारी ने किए।

बैठक के बाद शुरू हुई पीआर–131 धान की खरीद

रुद्रपुर। किसानों और व्यापारियों के बीच गुरुवार को हुई बैठक के बाद कच्चे आढ़तियों ने पीआर–131धान की खरीद पर सहमति जता दी। बैठक के दौरान किसानों और आढ़तियों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। मंडी समिति कार्यालय में एसएमओ विनय चौधरी, मंडी सचिव विनोद चंद्र पलड़िया की मौजूदगी में राइस मिलर्स, कच्चे आढ़ती और किसानों के बीच वार्ता हुई। राइस मिलर्स ने बताया कि पीआर–131धान से सरकार के मानकों के अनुसार कम चावल निकलता है, जिससे खरीद में दिक्कत आ रही थी। अंततः प्रति कुंतल अतिरिक्त कटौती पर सहमति बनने के बाद कच्चे आढ़तियों ने खरीद शुरू कर दी। बैठक के दौरान किसानों और आढ़तियों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। किसानों ने अधिकारियों से मांग की कि धान खरीद पूरी तरह शासन की नियमावली के अनुसार हो। सहमति बनने के बाद मंडी में पहुंचे किसानों की ट्रॉलियों की खरीद शुरू कर दी गई। बैठक में गुरसेवक मोहार, नवतेज पाल आदि मौजूद रहे।

दिव्यांगजन के अधिकारों को सशक्त बनाने की दिशा में अहम कदम

देहरादून। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह की अध्यक्षता में दिव्यांग व्यक्तियों के विधिक अभिभावक नियुक्त करने को लेकर बृहस्पतिवार को क्लेक्ट्रेट सभागार में स्थानीय स्तरीय समिति की बैठक हुई।

जिसमें ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त 11 आवेदनों की स्क्रूटनी करते हुए 10 आवेदनों पर समिति द्वारा संस्तुति प्रदान की गई।मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन में कई क्षेत्रों में तथ्य व परिस्थितियों के आधार पर कानूनी प्रतिनिधित्व करने की जरूरत होती है। दिव्यांग व्यक्ति को बेहतर सुविधा और विधिक संरक्षक मिल सके, इसके लिए विधिक अभिभावक नियुक्त करते समय सभी पहलुओं का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने दिव्यांग व्यक्तियों के विधिक अभिभावक नियुक्त होने पर दिव्यांगों के संरक्षण व देखभाल के साथ उनके जीवन में गुणात्मक सुधार लाने की बात कही। इस दौरान मानसिक रूप से दिव्यांग व्यक्ति कृष्णा कुटोला, अर्शदीप सिंह, सुनील कुमार भट्ट, अनिल कुमार, मनीष भट्ट, दीप सेठी, मोहम्द फैज अंसारी, पूनम वर्मा, मुनिया शर्मा व राय सिंह को विधिक अभिभावक नियुक्त करने की संस्तुति की गई। जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिल्डियाल ने कहा कि राष्ट्रीय न्यास अधिनियम–1999 के तहत मानसिक व बौद्धिक मंदता, मस्तिष्क विकार और विविध विकलांगता से ग्रस्त दिव्यांग व्यक्तियों को 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर कानूनी संरक्षक प्रदान करने का प्रावधान है। जिससे दिव्यांग व्यक्ति के हितों का प्रतिनिधित्व करने, कानूनी रूप से बाध्य कायी के निर्णय लेने, निजी देखभाल, संपत्ति का संरक्षण, बैंक खातों का संचालन करने हेतु माता–पिता या परिवार का सदस्य विधिक अभिभावक नियुक्त हो सकते है। दिव्यांग व्यक्ति का विधिक अभिभावक नियुक्त होने के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की वेबसाइट जीमद पर ऑनलाइन पंजीकरण किया जा सकता है।

डीरिग्यूलेशन एवं ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस पर टास्क फोर्स ने उत्तराखण्ड में की प्रगति की समीक्षा

देहरादून। भारत सरकार के कैबिनेट सचिवालय की एक उच्चस्तरीय टास्क फोर्स ने 16 अक्टूबर 2025 को देहरादून में उत्तराखण्ड राज्य में डीरिग्यूलेशन एवं ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस पहल की प्रगति की समीक्षा की। बैठक की अध्यक्षता सचिव, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग सुश्री मीता राजीवलोचन एवं मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने संयुक्त रूप से की।

बैठक में टास्क फोर्स ने डीरिग्यूलेशन फ्रेमवर्क के अंतर्गत चिन्हित प्राथमिक क्षेत्रों (ढ१ङ्ग१३८ अर्१२) की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान विनियमों के सरलीकरण, अनुपालन बोझ में कमी तथा निवेश अनुकूल वातावरण सृजित करने हेतु आगे की रणनीतियों पर चर्चा की गई।

माननीय प्रधानमंत्री जी की पहल पर प्रारंभ की गई यह डीरिग्यूलेशन पहल, जिसे भारत सरकार के कैबिनेट सचिव द्वारा व्यक्तिगत रूप से मॉनिटर किया जा रहा है, राज्यों को भूमि, भवन एवं निर्माण, श्रम, तथा उपयोगिताएं एवं अनुमतियों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में नियमों के सरलीकरण और सुधार में सहायता प्रदान करती है। इस पहल का उद्देश्य एक विश्वास–आधारित, पारदर्शी एवं व्यवसाय–अनुकूल शासन प्रणाली की स्थापना करना है।टास्क फोर्स ने उत्तराखण्ड सरकार द्वारा सुधारों के क्षेत्र में किए गए सक्रिय प्रयासों की सराहना की तथा राज्य को अंतरविभागीय समन्वय और डिजिटल एकीकरण को और सुदृढ़ करने हेतु प्रोत्साहित किया, ताकि सुधार की गति को निरंतर बनाए रखा जा सके। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम, सचिव विनय शंकर पांडे, अपर सचिव विजय कुमार जोगदंडे, महानिदेशक एवं आयुक्त उद्योग डॉ. सौरभ गहरवार सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा नेता की कोतवाल को व्यापारियों का चालान नहीं करने की चेतावनी

रुद्रपुर। दीपावली के अवसर पर कोतवाली में आयोजित व्यापारियों की बैठक में बाजार में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के मुद्दे पर हंगामा हो गया। पुलिस ने व्यापारियों को सड़क पर टेंट नहीं लगाने की हिदायत दी थी। इस पर भाजपा मंडल अध्यक्ष गोल्डी गोराया ने कोतवाल को व्यापारियों का चालान नहीं करने की चेतावनी दी। इसके बाद एसडीएम गौरव पांडे ने कहा कि त्योहार के मौके पर शहर में आने वाले ग्राहक की सुविधा की जिम्मेदारी व्यापारी की भी बनती है, इसलिए व्यापारियों को प्रशासन की व्यवस्था में सहयोग करना होगा। त्योहारी सीजन को देखते हुए गुरुवार को एसडीएम गौरव पांडे की अध्यक्षता में कोतवाली परिसर में व्यापारियों की बैठक आयोजित की गई। इसमें कोतवाल धीरेन्द्र कुमार ने बताया कि बाजार में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 18 से 20 अक्टूबर तक सुबह दस बजे से रात्रि नौ बजे तक ई–रिक्शा व चार पहिया वाहनों की नो एंट्री रहेगी। उन्होंने कहा कि धनतेरस से दीपावली के दिन तक बाजार में खरीदारी करने आने वाले ग्राहकों की अत्याधिक भीड़ होती है। उन्होंने ग्राहकों की सुविधा का हवाला देते हुए व्यापारियों से सड़क पर टेंट नहीं लगाने की अपील की। इस पर बैठक में मौजूद भाजपा मंडल अध्यक्ष गोल्डी गोराया बिफर पड़े। उन्होंने कहा है कि बुधवार शाम पुलिस बल ने व्यापारियों को सड़क पर टेंट नहीं लगाने की हिदायत देते हुए सख्ती दिखाई। इससे व्यापारियों में भय व्याप्त है। कहा कि व्यापारियों को त्योहार के मौके पर टेंट लगाने से नहीं रोका जाएगा ।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

–सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com